निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

# सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 238 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ बुधवार 03 जून ॥ 2026

## सच-संक्षेप

### बंगाल की खाड़ी में समुद्र के भीतर आया 4.6 तीव्रता का भूकंप

**नई दिल्ली।** बंगाल की खाड़ी में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 मापी गई। एनसीएस के मुताबिक, भूकंप 2 जून को सुबह 7:43:17 बजे आया। इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में 14.027 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.132 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था।भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिससे यह उथली श्रेणी का भूकंप माना जाता है।

### सलमान खान ने काला हिरण के मेकर्स को भेजा लीगल नोटिस

**मुंबई।** काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस फिल्म को लेकर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने मेकर्स के खिलाफ लीगल कार्यवाही की है। दबंग स्टार की टीम ने मेकर्स को एक नोटिस भेजा है, जिसमें इसकी रिलीज रोकने की मांग की गई है। इस पर प्रोड्यूसर अमित जानी की प्रतिक्रिया भी आई है।डीएसके लीगल ने एक्टर सलमान सलीम खान की तरफ से कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है, जिसमें मांग की गई है कि काला हिरण नाम की एक फिल्म के डेवलपमेंट और प्रमोशन को तुरंत रोक दिया जाए।

### अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह पर ईडी की छापेमारी

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को वेदांता समूह के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईडी ने कई जगहों पर छापेमारी की। कारोबारी अनिल अग्रवाल के वेदांता समूह पर ईडी ने फेमा उल्लंघन मामले में यह कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि ये तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन की जांच का हिस्सा हैं। मामले में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है। कंपनी की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है।

### सुप्रिया सुले के समधी को भाजपा ने दिया एमएलसी का टिकट

**नागपुर ।** महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए चंद्रपुर-वर्धा-गढ़चिरौली सीट से भाजपा उम्मीदवार और उद्योगपति अरुण लखानी ने कहा कि राजनीति और पारिवारिक रिश्ते अलग-अलग विषय हैं। दरअसल, लखानी के बेटे सारंग लखानी का विवाह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती से 20 जून को होने वाला है।भाजपा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद एक मराठी समाचार चैनल से बातचीत में लखानी ने कहा, सुप्रिया ताई ने मुझे बधाई संदेश भेजा। पवार परिवार का जिक्र स्वाभाविक है क्योंकि वह एक बड़ा राजनीतिक परिवार है और हमारा उनसे पारिवारिक संबंध है। मुझे इसमें कुछ भी असामान्य नहीं लगता।

### सरकार ने सीबीएसई से ओएसएम टेंडर पर रिपोर्ट मांगी

**नई दिल्ली।** सीबीएसई ने छात्रों की आंसरशीट बदले जाने और कम नंबर के विवाद में एक्शन लेना शुरू कर दिया है। शिक्षा मंत्रालय ने कोएम्प्ट को टेंडर देने को लेकर बोर्ड से रिपोर्ट मांगी है।मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शिक्षा मंत्रालय ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश का मन बना लिया है। हालांकि, सीबीएसई अधिकारियों ने गड़बड़ी के आरोपों से इनकार किया और कहा है कि टेंडर सामान्य वित्तीय नियमों और सरकारी खरीद प्रक्रियाओं के अनुसार ही दिया गया था। सीबीएसई ने यह ठेका 5 दिसंबर को कोएम्प्ट एडुटेक को दिया गया था। यानी 17 फरवरी को पहली बोर्ड परीक्षा शुरू होने से ठीक 74 दिन पहले।राहुल गांधी भी लगातार बोर्ड और शिक्षा मंत्री पर हमलावर हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने आरोप लगाया था कि ओएसएम के लिए टेंडर प्रक्रिया से किसी खास वेंडर को फायदा पहुंचाया गया।बोर्ड की रीवैल्युएशन साइट सोमवार देर शाम तक नहीं खुल सकी। इससे लाखों छात्र परेशान हुए। बोर्ड की तरफ से दिनभर यही कहा गया कि 'पोर्टल विल गो लाइव सून'।

### जोरदार धमाके के बाद गिरी बिल्डिंग, तीन लोग मलबे से निकाले

**नई दिल्ली।** दिल्ली के भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर इलाके में आज सुबह एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां एक जोरदार धमाके के बाद बिल्डिंग गिर गई। मलबे में कई लोग दब गए। जिनमें से तीन लोगों बाहर निकाल लिया गया है। एक व्यक्ति मलबे में दबा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सिलिंडर ब्लास्ट के बाद इमारत गिरी है। दमकल विभाग की पांच गाड़ी मौके पर भेजी गई हैं। दमकल विभाग के मुताबिक, तड़के 9 बजकर 37 मिनट पर एक संदिग्ध विस्फोट और उसके बाद मकान ढहने की सूचना मिली।

# मोहन कैबिनेट की बैठक में हुए कई अहम निर्णय

**सच संवाददाता ॥ भोपाल**

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रालय में संपन्न हुई। बैठक में लोकहित से जुड़े अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के पूर्व मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता, प्रधानमंत्री श्नरेंद्र मोदी के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने, गेहूं के रिकॉर्ड उपार्जन ,उड़द और मूंग का पंजीयन आरंभ होने ,प्रदेश में बड़े दुग्ध उत्पादन, धार भोजशाला , जल गंगा संरक्षण अभियान आदि के संबंध में चर्चा की। दो सप्ताह बाद हुई कैबिनेट बैठक में आज खाद्य और सहकारिता विभाग के माध्यम से खरीदी केंद्रों में हुई गेहूं खरीदी को लेकर भी सीएम डॉ मोहन यादव मंत्रियों के साथ चर्चा की जिसमेंबताया गया कि देश में सबसे अधिक गेहूं खरीदी का काम मध्यप्रदेश ने किया है। इसके साथ ही गोदाम में गेहूं परिवहन और भंडारण को लेकर भी मुख्यमंत्री ने जानकारी दी। बैठक में यूसीसी को लेकर भी चर्चा हुई और इसके लिए बनाई गई कमेटी द्वारा किए जा रहे कामों के बारे में जानकारी दी गई।

### कई किलोमीटर दूर तक दिखीं लपटें

## मिवान स्टील प्लांट में लगी भीषण आग

**रायपुर ॥ एजेंसी**

राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र स्थित मिवान स्टील लिमिटेड प्लांट में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि उसकी ऊंची लपटें और धुएं का घना गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे प्लांट परिसर में लगी। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर रवाना की गईं। दमकल कर्मियों ने पहुंचते ही आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के

कारण इसे नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।घंटों की कोशिश के बावजूद आग पूरी तरह काबू में नहीं आ सकी थी और दमकल विभाग की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। हालात पर नजर रखने के लिए प्लांट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आग लगने के समय प्लांट में कितने कर्मचारी मौजूद थे।

### जनगणना ने बढ़ाई टेंशन!

## यूपी, पंजाब और उत्तराखंड राज्यों में वक्त से पहले विधानसभा चुनाव की आहट

**नई दिल्ली ॥ एजेंसी**

उत्तर प्रदेश और अगले वर्ष विधानसभा चुनाव वाले अन्य राज्यों में चुनाव तय समय से पहले हो सकते हैं। इसकी संभावनाओं को लेकर सियासी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों का कहना है कि आगामी जनगणना और उससे जुड़ी प्रशासनिक तैयारियों के कारण सरकारी मशीनरी पर बढ़ने वाले दबाव को देखते हुए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक निर्णय या घोषणा नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में भी चुनावी कार्यक्रम और जनगणना संबंधी गतिविधियों के बीच तालमेल को लेकर प्रशासनिक स्तर पर चर्चा चल रही है।

### राजनीतिक दलों में हलचल

**समय से पहले चुनाव की चर्चाओं ने राजनीतिक दलों की गतिविधियों को भी तेज कर दिया है। भाजपा जहां पहले से संगठनात्मक स्तर पर सक्रिय दिखाई दे रही है, वहीं विपक्षी दल भी संभावित चुनावी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही अभी कोई आधिकारिक घोषणा न हुई हो, लेकिन चुनाव पूर्व तैयारियों के लिहाज से सभी दल सतर्क नजर आ रहे हैं।**

### अधिकारियों और कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव

**माना जा रहा है कि यदि दोनों प्रक्रियाएं एक ही समयावधि में संचालित होती हैं तो अधिकारियों और कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जिलाधिकारी स्तर से लेकर निचले स्तर तक बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी चुनाव और जनगणना दोनों प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनगणना के दौरान जिला प्रशासन को व्यापक स्तर पर संसाधन और मानवबल जुटाना पड़ता है, जबकि चुनाव के समय भी यही मशीनरी निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन करती है।**

### हर कार्यक्रम में राष्ट्रगीत गाना

## वंदे मातरम लोगों के लिए बोझिल: थरूर

**तिरुवनंतपुरम ॥ एजेंसी**

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांचों छंदों को बजाने या गाना अनिवार्य करने पर सवाल उठाया। उन्होंने इसे गैर जरूरी और लोगों के लिए बोझिल बताया। केरल के तिरुवनंतपुरम में सोमवार को थरूर ने कहा, %वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है। जब इसे गाया जाता है, तो हम सम्मान में खड़े हो जाते हैं। इसका पहला छंद या पहले दो छंद ज्यादातर लोगों को जुबानी याद होते हैं।

थरूर ने बताया कि पारंपरिक रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता था तो वहीं राष्ट्रगान अलग से कार्यक्रम के आखिर में बजाया जाता था। थरूर ने कहा- वंदे

मातरम सभी लोगों को याद नहीं। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि वहां शुरुआत और अंत में वंदे मातरम का पूरा संस्करण बजाया गया। उनके मुताबिक, गीत लंबा होने के कारण लोगों के लिए दो बार खड़े रहना असुविधाजनक था। थरूर ने कहा आखिरकार इस मामले पर कोई फैसला लेना पड़ सकता है, क्योंकि संसद द्वारा पारित ऐसा कोई कानून नहीं है जो इसे अनिवार्य बनाता हो। मुझे राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है।

### सातवें स्थान पर फिसला

## शेयर बाजार रैंकिंग में भारत को दोहरा झटका

**नई दिल्ली ।** भारतीय शेयर बाजार के लिए वैश्विक मोर्चे से एक निराशाजनक खबर सामने आई है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से भारत अब दुनिया के शीर्ष पांच शेयर बाजारों की सूची से बाहर हो गया है। महज एक हफ्ते के भीतर भारत को दो बड़े झटके लगे हैं। पहले ताइवान ने भारत को पछाड़कर पांचवां स्थान हासिल किया और अब दक्षिण कोरिया ने भी भारत को पीछे छोड़ दिया है। इस बदलाव के बाद भारत अब दुनिया का सातवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि भारत की इस गिरावट और इन एशियाई देशों की शानदार बढ़त के पीछे असल कारण क्या हैं। ब्लूमबर्ग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण कोरिया के

शेयर बाजार में इस साल अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली है। दक्षिण कोरिया की छलांग: इस साल दक्षिण कोरिया में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्य 86 प्रतिशत बढ़कर 5 ट्रिलियन (50 खरब) डॉलर तक पहुंच गया है। इस शानदार उछाल के साथ उसने कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे प्रमुख बाजारों को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत का नुकसान: इसके विपरीत, भारतीय शेयर बाजार का कुल मूल्यांकन खिसककर लगभग 4.8 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है, जिससे भारत ग्लोबल रैंकिंग में छठे से सातवें स्थान पर खिसक गया है।

### गुजरात को शराबी बनाने के लिए तस्करी की राह खोलने के

## संजीव दुबे जबलपुर में अवैध शराब सिंडिकेट बनाने ठेकेदारों पर डाल रहे हैं दबाव !

**सच संवाददात ॥ जबलपुर**

प्रदेश में शराब का कारोबार नियमों के तहत और पूरी पारदर्शिता के साथ हो सके इसके लिए मोहन सरकार ने नई आबकारी नीति में ऐसे प्रावधन किए ताकि शराब सिंडीकेट न बन सके। बड़े समूहों का एकाधिकार खत्म करके छोटे-छोटे समूहों में दुकानें दी गई ताकि नए लोग इस कारोबार में शामिल होकर स्वस्थ व्यवसायिक प्रतिस्पर्धी बनें । सरकार की मंशा साफ है कि लिकर कारोबार पूरी तरह नियमों के अनुसार संचालित हो ताकि लोगों को गुणवत्तायुक्त शराब मिल सके लेकिन जबलपुर में सरकार की मंशा के उलट एक आबकारी अधिकारी खुद शराब सिंडीकेट बनवाने के लिए सक्रिय बताए जा रहे हैं। आमतौर पर सिंडीकेट शराब ठेकेदार मिलकर बनाते हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि जबलपुर में सिंडीकेट बनवाने में सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे खासी दिलचस्पी दिखा रहे है

और इसके लिए ठेकेदारों पर दबाब बनाया जा रहा है। विदित है कि आबकारी अधिकारी संजीव दुबे पर धार में पोस्टिंग के दौरान महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात को शराबी बनाने के लिए तस्करी की राह खोलने के आरोप सर्वविदित रहे हैं। धार, झाबुआ और अलीराजपुर इंदौर संभाग में आते हैं जहां घपलों-घोटालों में दक्ष विनोद रघुवंशी सहायक आयुक्त रहे जबकि संजीव दुबे उपायुक्त थे। दागी अफसरों की इस जुगल जोड़ी ने इंदौर में पदस्थ रहने के दौरान खूब गुल खिलाए थे। लिकर तस्करी रोकने का जिम्मा इंदौर संभाग के जिस उड़नदस्ते के पास था उसकी कमान दागी अफसर संजीव दुबे ही संभाले हुए थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद दुबे को धार के उपायुक्त पद से हटाया गया था। उस समय एक आडियो खूब बायरल हुआ था जिसमें शराब तस्करों का पक्ष लेते हुए धार जिले के तत्कालीन विधायक राज्यवर्धन सिंह और डॉ हीरालाल अलावा के साथ प्रदेश के तत्कालीन वन मंत्री उमंग सिंघार पर शराब माफिया से लाखों रुपये लेन-देन का आरोप लगाया था। उस समय मंत्री तथा विधायकों की कड़ी आपत्ति के बाद उन्हें धार से तो हटा दिया गया था लेकिन अब जबलपुर में गुल खिला रहे हैं।

### दागदार रहा है कार्यकाल

**आबकारी अधिकारी संजीव दुबे का कार्यशैली विवादित और कार्यकाल दागदार रहा है। जहां -जहां पोस्टिंग हुई वहां-वहां उन पर शराब माफिया को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं। इंदौर में पोस्टिंग के दौरान 42 करोड़ का रु. फर्जी चालान मामला उजागर हुआ था। ठेकेदारों द्वारा विभिन्न स्तरों पर कई बार शिकायतें की जाती रही है । जबलपुर में शराब सिंडीकेट बनाने में उनकी विशेष दिलचस्पी से साफ है कि उच्चा स्तर पर प्रबंधन की कला में दक्ष श्री दुबे की कार्यशैली में इतना सब होने के बाद भी कोई बदलाव नहीं आया है।**

### फोन पर हुई तीखी बहस

## नेतन्याहू से भिड़े ट्रंप हुई तीखी बहस

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच टेलीफोन पर गरमागरम बहस हुई। बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर जमकर निशाना साधा और इजरायली लीडर को अपने देश के प्रति दुनिया भर में दुश्मनी पैदा करने के लिए जिम्मेदार भी ठहराया।बता दें, लेबनान पर इजराइली हमले को लेकर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। ट्रंप ने आपा खोते हुए नेतन्याहू को जमकर फटकार लगाई और कहा कि तुम क्या कर रहे हो। यहां तक उन्हें पागल भी कह दिया। जानकारी के मुताबिक यह बहस

उस समय हुई जब ईरान ने लेबनान पर इजराइली हमले को लेकर अमेरिका से शांति समझौते की बातचीत को छोड़ने की धमकी दी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ट्रंप ने इस बात पर निराशा जताई कि हिज्बुल्लाह के इजराइल पर हमलों के जवाब में मिलिट्री ने जोरदार जवाब दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक हिज्बुल्लाह कमांडर को टारगेट करने के लिए पूरी बिल्डिंग को नष्ट करने पर कड़ी आपत्ति जताई, साथ ही बेरूत के खिलाफ तेल अवीव की बढ़ती धमकियों पर भी सवाल उठाया। सूत्रों के मुताबिक ट्रंप से नेतन्याहू की बातचीत का मतलब है कि अब हर कोई आपसे नफरत करता है।

### मौसम का मिजाज ॥ मानसून की रफ्तार धीमी, जून भारत का अब तक का सबसे अप्रत्याशित महीना हो सकता है

# ग्रेट जून वेदर क्लैश, गर्मी से नहीं मिलेगी राहत !

**नई दिल्ली ॥ एजेंसी**

भारत हाल के सालों में अपने सबसे अजीब और मुश्किल मौसम के दौर में जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस बार मॉनसून में सामान्य से कम बारिश, बहुत ज्यादा गर्मी, ज्यादा नमी, तेज आंधी और मॉनसून के आगे बढ़ने में देरी हो सकती है।भारत मौसम विभाग ने पहले ही जून के लिए सामान्य से कम बारिश का अनुमान लगाया है। विभाग ने अपने सीजनल साउथवेस्ट मॉनसून के अनुमान को लॉन्ग पीरियड एवरेज के 90 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जिससे प्रशांत महासागर में बन रहे एल नीनो के असर को लेकर चिंता बढ़ गई है।साथ ही, मौसम एक्सपर्ट्स का कहना है कि मॉनसून के मौसम में बदलाव के दौरान देश के कुछ हिस्सों में खतरनाक नमी का स्तर, धूल भरी आंधी, बिजली और तेज आंधी आ सकती है। मौसम की इन अजीब स्थितियों के कारण कुछ एक्सपर्ट्स ने इस स्थिति को 'ग्रेट

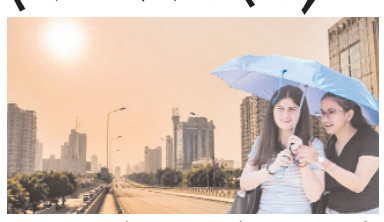

जून वेदर क्लैश' बताया है, जो भारत के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ होने वाली गर्मी, नमी और वायुमंडलीय अस्थिरता के बीच टकराव है।

**मॉनसून आ सकता है, लेकिन इसकी रफ्तार धीमी हो सकती है**

मौसम का अंदाजा लगाने वालों को चिंता में डालने वाली एक और बात अरब सागर के ऊपर वायुमंडलीय रुकावट की स्थिति की संभावना है। मौसम जानकारों का कहना है कि ऊपरी वायुमंडल में एंटीसाइक्लोनिक सर्कुलेशन (प्रतिचक्रवाती परिसंचरण) कभी-कभी मॉनसून के केरल पहुंचने के बाद भी मॉनसून की धाराओं की रफ्तार को धीमा कर सकता है।

### गर्मी और नमी खतरनाक हालात पैदा कर सकती है

**हालांकि, पूरे उत्तर भारत में तापमान तुरंत रिकॉर्ड तोड़ने वाले स्तर तक नहीं पहुंच सकता है। हालांकि, एक्सपर्ट्स चेतावनी देते हैं कि नमी भी उतनी ही जरूरी वजह बन सकती है। मौसम के हिसाब से, 39 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास का तापमान और बंगाल की खाड़ी से बढ़ती नमी मिलकर बहुत ज्यादा गर्मी का तनाव पैदा कर सकती है। ऐसे हालात में, महसूस होने वाला तापमान असल हवा के तापमान से काफी ज्यादा हो सकता है। भूस्थानिक विशेषज्ञ राजेश पॉल ने कहा कि भारत में बहुत ज्यादा गर्मी और आने वाली नमी के बीच एक बहुत कम होने वाला परस्पर क्रिया देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा,उत्तर भारत में बहुत ज्यादा गर्मी बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के साथ मिलकर खतरनाक नमी के स्तर और साथ ही तेज आंधी-तूफान पैदा कर रही है। हालांकि तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, लेकिन कुछ इलाकों में महसूस होने वाला तापमान 50 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस बीच, कमजोर मानसून और एल नीनो की स्थिति को लेकर चिंताएं पूरे देश में असमान बारिश और मौसम में उतार-चढ़ाव का खतरा बढ़ा रही हैं। यह घटना उस चीज से जुड़ी है जिसे साइंटिस्ट वेट-बल्ब इफेक्ट कहते हैं, जिसमें ज्यादा नमी पसीने को ठीक से भाप बनने से रोकती है, जिससे इंसान के शरीर के लिए खुद को ठंडा करना मुश्किल हो जाता है। एक्सपर्ट्स ने बहुत ज्यादा गर्मी के दावों पर सावधानी बरतने की सलाह दी है।**

### मॉनसून का अनुमान कमजोर हुआ

**आईएमडी के नए लॉन्ग-रेंज अनुमान के मुताबिक, जून में बारिश सामान्य से कम रहने की उम्मीद है, जो महीने के औसत का 92 फीसदी से भी कम है। जून से सितंबर तक का मॉनसून सीजन भी सामान्य से कमजोर रहने की उम्मीद है, जिसमें पूरे भारत में बारिश लंबी अवधि के औसत का लगभग 90 फीसदी रहने का अनुमान है।इसका मुख्य कारण भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर एल नीनो की स्थिति बनने की बढ़ती संभावना है। पहले, एल नीनो की घटनाएं भारतीय मॉनसून सर्कुलेशन (भारतीय मानसून परिसंचरण) को कमजोर करती हैं और अक्सर बारिश की कमी, बुवाई में देरी और गर्मी के बढ़ते तनाव से जुड़ी होती हैं। क्लाइमेट मॉडल बताते हैं कि जून के दौरान कमजोर एल नीनो की स्थिति बन सकती है और जुलाई और अगस्त में धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है।**

### आगरा में बारिश से सड़कें धंसी, मकान ढहा

**नई दिल्ली।** देश के 23 राज्यों में जून की शुरुआत गर्मी से राहत लेकर आई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार के कई इलाकों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। इससे तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया।उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार सुबह एक घंटा तेज हवा चली और बारिश हुई। इससे कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। कई जगह सड़कें धंस गई। फुटपाथ धंसने से 25 फीट का गड्?ढा बन गया। एक मकान का अगला हिस्सा गिर गया।उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश और बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। पहले 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

## निजी अस्पतालों और संस्थाओं का भी लिया जाए सहयोग

# लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई, बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन करें : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो। बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें और लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में हुई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक

में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है। प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और 01 राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई। जोखिम ग्रस्त बच्चों की मैपिंग के लिए 13 जिलों में प्रक्रिया जारी है।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया। प्रदेश के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली है। बाल देखरेख संस्थाओं द्वारा मुख्यमंत्री खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजन की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है। बैठक में बताया गया कि सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के अंतर्गत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मध्यप्रदेश देश में अग्रणी बना है। इस प्रकार की पहल में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में जनवरी 2024 से मई 2026 तक प्रदेश की 01 करोड़ 25 लाख से अधिक पात्र बहनों को 47 हजार 775 करोड़ रुपये से अधिक की मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत मई 2026 तक 15 लाख 84 हजार बालिकाओं का पंजीयन कर 537 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की गई। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में दर्ज 15 लाख 51 हजार गर्भवती महिलाओं को 798 करोड़ 68 लाख रूपये से अधिक का भुगतान किया गया। इस योजना के क्रियान्वयन में पिछले ढाई साल से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पोषण स्तर में सुधार के लिए किये जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी गई। बैठक में सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती जी.वी. रश्मि सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## प्रदेश में वरिष्ठजनों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की सुदृढ़ व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को नई दिशा और गति प्रदान की गई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित योजनाएं इसका प्रमाण हैं कि सरकार उनके सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। बदलते सामाजिक परिवेश में जहां पारिवारिक संरचना में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, वहीं वरिष्ठजनों की देखभाल और उनके अधिकारों की रक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। यह अधिनियम वरिष्ठजनों को यह अधिकार देता है कि यदि वे स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं हैं, तो वे अपने बच्चों या संबंधितों से भरण-पोषण प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश में इस अधिनियम के तहत प्रत्येक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को भरण-पोषण अधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय को अपील अधिकरण घोषित किया गया है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त, सामाजिक न्याय विभाग के जिला अधिकारियों को भरण-पोषण अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, जो इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से संचालित करते हैं। अधिनियम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा या परित्याग को दंडनीय अपराध माना गया है, जिससे समाज में उनके प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही, भरण-पोषण हेतु मासिक राशि निर्धारित करने का प्रावधान भी वरिष्ठजनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आश्रय और देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। विभिन्न संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के माध्यम से संचालित वरिष्ठ आश्रमों में जरूरतमंद वरिष्ठजनों को आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं एवं मनोरंजन की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी कड़ी में भोपाल में विकसित संध्या छाया वरिष्ठजन निवास एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर वरिष्ठजनों को सुरक्षित, आरामदायक एवं गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करता है। यहां वातानुकूलित कक्ष, लाइब्रेरी, फिजियोथेरेपी, चिकित्सा सुविधाएं एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए गए हैं।

# खेत से ग्लोबल मार्केट तक, बोरगांव-शाहपुर फोरलेन से बदलेगी अर्थव्यवस्था, सब होगा सुपरफास्ट

सच संवाददाता ॥ ओंकारेश्वर

महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किया जा रहा एनएच-753 एल का बोरगांव से शाहपुर खंड क्षेत्र के आर्थिक और परिवहन परिदृश्य को नई दिशा देने जा रहा है। आधुनिक चार-लेन राजमार्ग गलियारे के रूप में विकसित हो रही यह परियोजना मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच संपर्क को मजबूत करने के साथ-साथ कृषि, व्यापार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भी गति प्रदान करेगी। विशेष रूप से बुरहानपुर के केला उत्पादकों को इस मार्ग से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि वे अपनी उपज को तेजी से देश और विश्व बाजार तक पहुंचा सकेंगे। एनएच-753 एल का बोरगांव से शाहपुर तक का खंड रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह महाराष्ट्र के बोरगांव बुजुर्ग से मुक्ताईनगर तक फैले एक बड़े सड़क गलियारे का हिस्सा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किए जा रहे इस कॉरिडोर से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अंतर-राज्यीय संपर्क को नया स्वरूप मिलने की उम्मीद है। इससे न केवल परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।करीब 944 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा यह सड़क गलियारा लगभग 47 किलोमीटर लंबा है। परियोजना का लगभग 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पूरी तरह तैयार होने के बाद यह मार्ग

इंदौर और छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) के बीच तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल वैकल्पिक संपर्क मार्ग के रूप में उभरेगा। साथ ही यह क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करते हुए अंतर-राज्यीय परिवहन की प्रमुख धुरी बनेगा। यह परियोजना केले, कपास, सोयाबीन और गेहूं जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध कृषि क्षेत्रों से होकर गुजरती है। बेहतर सड़क संपर्क का सीधा लाभ किसानों और ट्रांसपोर्टरों को मिलेगा। कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में कम समय लगेगा और परिवहन लागत में भी कमी आएगी। स्थानीय ग्रामीणों के लिए भी यह राजमार्ग दैनिक जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। नए मार्ग के बनने से ट्रकों की आवाजाही अधिक सुगम हो गई है, जिससे कृषि उपज का परिवहन पहले की तुलना में अधिक कुशल और तेज हो सकेगा।इस गलियारे में 1 रेलवे ओवरब्रिज, 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 पुलिया, 3 हल्के वाहनों के लिए अंडरपास, 5 छोटे वाहनों के लिए अंडरपास और 6 वाहनों के लिए अंडरपास शामिल हैं। इन संरचनाओं को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि स्थानीय संपर्क प्रभावित न हो और गांवों, खेतों तथा आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन सुचारू एवं निर्बाध बना रहे।

### तेजी से चल रहा है निर्माण कार्य

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रोजेक्ट मैनेजर आशुतोष सोनी ने बताया कि खंडवा से आगे बोरगांव-शाहपुर तक 47 किलोमीटर लंबे हिस्से का लगभग 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वहीं संपूर्ण 204 किलोमीटर सड़क परियोजना का निर्माण कार्य भी तेज गति से जारी है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद इसे जल्द ही यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।उल्लेखनीय है कि इंदौर-खंडवा-इच्छापुर सड़क मार्ग की कुल लंबाई 204 किलोमीटर है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना के लिए 8,600 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य इंदौर के समीप सिमरोल, चोरल और बलवाड़ा क्षेत्र में पहाड़ों को काटकर टनल सड़क मार्ग का निर्माण तथा ओंकारेश्वर के समीप मोरटक्का में नर्मदा नदी पर छह लेन पुल का निर्माण था। ये दोनों महत्वपूर्ण कार्य अब पूर्ण हो चुके हैं।

### उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सफर होगा आसान

सड़क परियोजना के पूर्ण होने के बाद उत्तर भारत से दक्षिण भारत की ओर जाने वाले वाहनों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे यात्रा का समय कम होगा, ईंधन की बचत होगी और माल परिवहन अधिक तेज एवं सुरक्षित हो सकेगा। भारतमाला परियोजना के तहत विकसित हो रहा यह आधुनिक राजमार्ग आने वाले समय में क्षेत्र के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है।

### परियोजना एक नजर में

- **परियोजनाः एनएच-753 एल बोरगांव-शाहपुर खंड**
- **परियोजना लागतः 944 करोड़ रुपये**
- **कुल लंबाईः लगभग 47 किलोमीटर**
- **जुड़ने वाले प्रमुख राज्यः मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र**
- **प्रमुख संपर्क मार्गः इंदौर-खंडवा-बुरहानपुर-जलगांव-छत्रपति संभाजीनगर**
- **प्रमुख अवसंरचनाः 1 रेलवे ओवरब्रिज, 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 पुलिया और 14 अंडरपास**
- **बाईपासः शहरी क्षेत्रों में भीड़ कम करने के लिए लगभग 26 किलोमीटर लंबा बाईपास**
- **सर्विस रोडः सुरक्षित स्थानीय आवागमन के लिए 19 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड**
- **विशेषताः तेज और सुरक्षित यातायात को ध्यान में रखकर**

## रीवा में सरकारी गाड़ी से बकरियां चोरी, आधी रात गांव में मचा कोहराम

रीवा। गुढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पोखरा से बकरी चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि रीवा के संजय गांधी अस्पताल के शासकीय शव वाहन के चालक राजेश मिश्रा ने बकरी चोरी की है। इसकी सूचना जब पुलिस को दी गई, तो पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 6 बकरियां भी बरामद की गई हैं। इसके साथ ही शासकीय शव वाहन को भी जब्त किया गया है।बीते 28 मई को बकरी चोरी होने की शिकायत फरियादी के द्वारा गुढ़ थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज करते हुए बकरी चोर की तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस जब पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के लिए पोखरा गांव पहुंची, तो ग्रामीणों के द्वारा जानकारी दी गई की देर रात परिवार के सदस्य घर के अंदर सो रहे थे, जबकि बकरियां घर के बाहर बंधी हुई थीं। रात में शव वाहन लेकर पहुंचे लोगों ने बकरियों को वाहन में भर लिया और मौके से भागने लगे। इसी दरमियान आहट सुनकर परिवार के सदस्य जाग गए और काफी दूर तक शव वाहन का पीछा भी किया। लेकिन वह बकरियां समेत शव वाहन लेकर भागने में कामयाब हो गए।पुलिस के मुताबिक फरियादी ने बताया था कि एम्बुलेंस की तरह दिखाई देने वाले एक शव वाहन गांव में दिखाई दिया था। पुलिस की टीम ने जब गहनता से पड़ताल की, तब शव वाहन के चालक राजेश मिश्रा का नाम सामने आया। जिसके बाद पुलिस की टीम ने राजेश मिश्रा सहित उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार कर लिया है।

## बुंदलेखंड बदनाम, परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की ताजा रिपोर्ट

# प्रदेश में बढ़े बाल विवाह के मामले

सच संवाददाता ॥ भोपाल

हाल ही में मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से बाल विवाह का चौंकाने वाला मामला सामने आया था, यहां दूल्हा 42 साल का था जबकि दुल्हन उम्र में तीन गुना छोटी यानी सिर्फ 13 साल की बच्ची थी। इस घटना ने प्रदेश में हो रहे बाल विवाह के मामलों को उजागर कर दिया है। हाल ही में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की ताजा रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक प्रदेश में 20 फीसदी ऐसे मामले पाए गए हैं, जहां लड़की की शादी 18 साल के पहले ही कर दी गई।बच्चों को लेकर स्वयं सेवी संस्था संचालिका डॉ अर्चना सहाय कहती हैं, इंदौर में हुई घटना प्रदेश की कोई पहली घटना नहीं है। लगातार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। इसके कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। राजगढ़ क्षेत्र में कम उम्र में विवाह करना परंपरा है, इसे काफी कोशिश के बाद भी खत्म नहीं किया जा सका, लेकिन बुंदेलखंड के दमोह, सागर, छतरपुर, गुना, मुरैना आदि क्षेत्रों में इसके कई दूसरे सामाजिक कारण हैं। बच्ची के 16 साल तक पहुंचने तक लगभग उनका पढ़ना-लिखना बंद हो जाता है और ऐसे में परिजन बच्ची की शादी की कोशिशें शुरू कर देते हैं। उन्हें लगता है कि बच्ची को कोई गलत रास्ते पर न ले जाए।डॉ अर्चना सहाय आगे कहती हैं, ऐसा नहीं है कि गांवों में ही ऐसी स्थिति है, शहरों में भी बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। टीकमगढ़ जिले की मोहनगढ़

तहसील के लाखन केवट (बदला हुआ नाम) ने भी अपनी बेटी का विवाह 18 साल के पहले ही कर दिया। वे कहते हैं कि पहले सोचा था कि बेटी के बालिग होने के बाद ही उसका ब्याह करेंगे, लेकिन गांव में समाज की एक लड़की कहीं चली गई, तो घटना के बाद बेटी की पिछले साल शादी कर दी।

### बाल विवाह के आंकड़ों में अंतर

प्रदेश में बाल विवाह के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन इसको लेकर आंकड़ों की अपनी अलग कहानी है। बाल विवाह को लेकर लोकसभा और मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को लेकर भी काफी अंतर है। 2025 में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों को देखें तो मध्यप्रदेश में 2018 से 2022 के दौरान कुल 23 बाल विवाह के मामले सामने आए हैं। साल 2022 में प्रदेश में सिर्फ 7 मामले सामने आए। इन मामलों में पीसीएमए 2006 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। हालांकि, मध्यप्रदेश विधानसभा के आंकड़े इनसे कई गुना ज्यादा हैं।

### 2025 में हुए 538 बाल विवाह

सरकार द्वारा विधानसभा में हाल ही में आंकड़े प्रस्तुत किए गए। यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं। साल 2025 में प्रदेश में 538 बाल विवाह के मामले सामने आए हैं। पिछले सालों के मुकाबले प्रदेश में बाल विवाह के मामले घटने के स्थान पर लगातार बढ़ रहे हैं। साल 2020 में प्रदेश में 366 बाल विवाह के मामले सामने आए थे, जो हर साल लगातार बढ़ते गए। 2025 में बाल विवाह के सबसे ज्यादा मामले दमोह जिले में सामने आए हैं। दमोह में 115 बाल विवाह के मामले रिकॉर्ड किए गए।

- **साल 2020 में प्रदेश में 366 बाल विवाह के सामने आए**
- **साल 2021 में 436 बाल विवाह के मामले सामने आए**
- **साल 2022 में 519 बाल विवाह के मामले सामने आए**
- **साल 2023 में 528 बाल विवाह के मामले सामने आए**
- **साल 2024 में 529 बाल विवाह के मामले सामने आए**
- **साल 2025 में 538 बाल विवाह के मामले सामने आए**

# बोरिया बिस्तर ले इंदौर में जमे 44 गांवों के किसान, मध्य प्रदेश में दिल्ली जैसा किसान आंदोलन

सच संवाददाता ॥ इंदौर

इंदौर में प्रस्तावित रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। सैकड़ों किसान इंदौर कलेक्टर कार्यालय चौराहे पर धरने पर बैठ गए हैं। वे अपने साथ दरी-चादर और गद्दे लाए हैं। इसके अलावा खाना बनाने का इंतजाम भी किया है। किसानों की मांग है कि रिंग रोड बनाने के लिए जमीन का अधिग्रहण कैंसिल किया जाए। जब तक मांग नहीं मानी जाएगी, आंदोलन जारी रहेगा।इंदौर के कलेक्टर कार्यालय चौराहे पर धरने पर सैकड़ों किसान धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। किसानों का कहना है कि शिप्रा से लेकर पीथमपुर तक रिंग रोड नहीं बनने दी जाएगी। जिन किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है, उन्हें नाममात्र का मुआवजा दिया जा रहा है। किसान कई दिनों से इसका विरोध कर रहे हैं। किसानों ने मांग है कि पूर्वी रिंग रोड और मनमाड रेलवे लाइन योजनाओं को निरस्त किया जाए।इन दोनों योजनाओं से 44 गांवों के किसान किसान प्रभावित हो रहे हैं। 2500 किसान इस योजना से बर्बाद हो जाएंगे। किसानों का कहना है कि यह प्रदर्शन आने वाले दिनों उग्र भी हो सकता है, यदि सरकार ने इस रोड को लेकर योजनाओं में बदलाव नहीं किए तो हम अनिश्चितकालीन धरना करेंगे। पिछली बार भी हमने प्रदर्शन किया था, उस दौरान आश्वासन मिला था कि योजना में जल्दी बदलाव किया जाएगा। लेकिन अभी तक हमें भी किसी तरह का कोई लिखित आश्वासन नहीं मिला है। किसान संतोष सोनकिया का कहना है मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

# तो क्या ग्वालियर-चंबल इलाके में सिंधिया की मुश्किलें बढ़ाएंगे ये मंत्री और विधायक

सच संवाददाता ॥ भोपाल

तकरीबन एक महीने पहले बीजेपी के विधायक प्रीतम लोधी को हाईकमान की ओर से भोपाल बुलाकर फटकार लगाई गई थी कि आगे से पार्टी लाइन पर चलेंगे। बीजेपी की छवि प्रभावित करने वाले कोई बयान नहीं देंगे। असर महीना भर भी नहीं रहा। इस बार प्रीतम लोधी का पॉवर और बढ़ा हुआ था। पहले कहा ढाई किलो का हाथ ढाई सौ किलो का हो चुका है और 15 लाख के ईनामी डकैत रामबाबू गडरिया को अपना भाई बता दिया। प्रीतम लोधी के इस बयान के ठीक पहले बीजेपी के ही विधायक पन्नालाल शाक्य सिंधिया की सरपरस्ती में पार्टी में आकर मंत्री बने विधायकों के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं।मध्य प्रदेश में जिस समय बीजेपी के विधायक अपनी पार्टी के अनुशासन को तार-तार कर रहे हैं। ठीक उसी समय में दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष की बैठक में प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत कई नेता मौजूद हैं। चुनाव में अभी समय है लेकिन विधायकों का ठीक इस समय पार्टी अनुशासन की लकीर मिटाना इशारा क्या है। क्या वजह है कि सिंधिया का इलाका कहे जाने वाले ग्वालियर-चंबल और इससे सटे हिस्सों में ज्यादा सुनाई दे रहे हैं ये तेवर। कहीं सिंधिया समर्थकों से नाराजगी है, कहीं सिंधिया समर्थक बढ़ा रहे हैं टेंशन।

एक महीने दस दिन पहले बीजेपी के सिंधिया समर्थक विधायक प्रीतम लोधी भोपाल में थे और और फटकार के बाद मीडिया के कैमरों में

खेद जता रहे थे। उम्मीद ये बंधी थी कि ये नसीहत असरदार साबित होगी लेकिन एक बार फिर वायरल हुए प्रीतम लोधी। इस बार उन्होंने दो कदम आगे बढ़कर 15 लाख के -ईनामी रहे डकैत को अपना भाई बताया। निशाने पर कौन है ये नहीं पता लेकिन नेताओं से उलट शक्ति प्रदर्शन में विधायक जी ने ये भी कहा कि उनका ढाई किलो का हाथ अब ढाई सौ किलो का हो चुका है। सवाल ये है कि ये ताकत किसे दिखा गए प्रीतम लोधी। प्रीतम लोधी के बयानों की फेहरिस्त निकाली जाए तो बीते तीन महीने के भीतर लगातार छोटे बड़े विवाद उनके बयानों से खड़े होते रहे हैं।

प्रीतम लोधी से पहले बीजेपी के ही विधायक पन्नालाल शाक्य पार्टी के भीतर बढ़ रही गुटबाजी की पूरी कहानी सड़क पर सुना रहे थे। उनके निशाने पर सिंधिया समर्थक मंत्री थे। विधायक शाक्य ने ना केवल इन विधायकों की राजनीति के अंदाज पर कटाक्ष किया, उनके कामकाज पर भी सवाल उठाया और बयान में एक लकीर खींचते हुए ये बताया कि काम नहीं करने वाले ऐसे विधायकों की वे मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे। सवाल ये है कि जो नाराज़गी उन्हें पार्टी फोरम पर उठानी चाहिए विधायक अपनी ही पार्टी के मंत्रियों की कलई सरेआम क्यों उतार रहे हैं। इत्तेफाक की बात ये है कि मध्य प्रदेश के बाकी इलाकों के मुकाबले ग्वालियर चंबल इन बागी तेवर ज्यादा सुनाई दे रहे हैं। पन्नालाल शाक्य ने प्रदुम्न सिंह तोमर के कामकाज को लेकर खुलकर बयान दिया और एक मंत्री का नाम लिए बिना बताया था कि उनके अंदाज से विधायक को क्या दिक्कत पेश आ रही है। दोनों ही मामलों में निशाना सिंधिया पर था। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश भटनागर कहते हैं बीजेपी की जिस तरह की कार्यप्रणाली है, उसमें एक्शन भी पूरी इत्मीनान से समय देकर लिया जाता है। फिलहाल जिन विधायकों को लग रहा है कि वो सड़क पर बोलकर नोटिस में ले लिए जाएंगे। संगठन के पास इनका भी नोटिस है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश भटनागर के अनुसार एक अनुशासन ही है जो बीजेपी को कांग्रेस से बिल्कुल अलग करता है। लेकिन ये भी सही है कि लगातार सत्ता में रहने की वजह से अब संगठन निष्ठ भाजपा में भी क्लेश दिखाई और सुनाई देने लगा है। सिंधिया गुट से आए नेताओं को इसमें रचने बसने में लगता है और समय लगेगा। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता शेहरयार खान का कहना है बीजेपी कई गुटों में बंटी है। बीजेपी में बगावती गुटों की संख्या बढ़ती जा रही है। शिवराज गुट के बाद अब नाराज गुट, महाराज गुट, तोमर गुट जैसे समूह बन चुके हैं। विधायकों की सुनवाई कही नहीं है। वे बड़े नेताओं को भी अपनी पीड़ा से अवगत करवा चुके हैं। लेकिन सुनवाई कहीं नहीं है।

# मध्यप्रदेश में माध्यमिक शिक्षा पर बढ़ी चिंता, नीति आयोग की रिपोर्ट में ड्रॉपआउट दर 16.8 फीसदी दर्ज

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा में सुधार के बावजूद माध्यमिक स्तर पर बढ़ती ड्रॉपआउट दर ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नीति आयोग की हालिया स्कूल एजुकेशन सिस्टम इंडिया रिपोर्ट 2024-25 में राज्य की शिक्षा प्रणाली की मिश्रित तस्वीर सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार कक्षा 9वीं और 10वीं में ड्रॉपआउट दर 16.8 प्रतिशत दर्ज की गई है, यानी हर छह में से लगभग एक छात्र माध्यमिक शिक्षा बीच में ही छोड़ रहा है। हालांकि वर्ष 2014-15 में यह आंकड़ा 23 प्रतिशत से अधिक था, लेकिन सुधार की गति अब भी कई राज्यों की तुलना में कमजोर मानी जा रही है। राजस्थान (7.7फीसदी), बिहार (6.9फीसदी ) और छत्तीसगढ़ (15.3 फीसदी ) जैसे राज्य इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं।

इसके विपरीत प्राथमिक शिक्षा में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर शून्य रही, जबकि एक दशक पहले यह 10.14 प्रतिशत थी। सरकारी योजनाओं जैसे स्कूल चले हम अभियान और गृह संपर्क अभियान का इसमें अहम योगदान माना जा रहा है। उच्च प्राथमिक स्तर यानी कक्षा 6 से 8 में भी सुधार देखा गया है, जहां ड्रॉपआउट दर 6.3 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि 2014-15 में यह 11.7 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में शिक्षकों की कमी को लेकर भी गंभीर स्थिति उजागर की गई है। प्रदेश में 7,217 सरकारी स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है, जबकि लगभग 70 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। वहीं 463 ऐसे स्कूल भी पाए गए हैं जहां छात्र संख्या शून्य है, लेकिन वहां 223 शिक्षक पदस्थ हैं, जिससे संसाधनों के असंतुलित उपयोग पर सवाल उठे हैं। शिक्षाविदों का मानना है कि ड्रॉपआउट के पीछे आर्थिक कठिनाइयां, सामाजिक दबाव, स्कूलों की दूरी, परिवहन की कमी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सीमित उपलब्धता प्रमुख कारण हैं। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण बताई जा रही है।

लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक केके द्विवेदी ने कहा कि विभाग लगातार प्रयास कर रहा है और गृह संपर्क अभियान के जरिए स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक स्तर पर सुधार के लिए नई रणनीति तैयार की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शिक्षकों की रिक्तियां भरी जाएं, स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत हों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता मिले, तो राज्य में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

## किरार महासभा ने किया डा. सुरजीत का स्वागत

**भोपाल।** भोपाल नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष डा. सुरजीत सिंह चौहान को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत कर बधाई दी। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम धाकड़ के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान , राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रजेश चौहान. जिला अध्यक्ष संजय सिंह चौहान , जसवंत ठाकुर चरणसिंह चौहान , सुरेंद्र चौहान , जिला महामंत्री वीर सिंह चौहान , राकेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने डा. चौहान का पुष्पमालाओं से स्वागत किया तथा दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी में नया और महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर प्रसन्नता जताते हुए शुभकामनाएं दी। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में डा. चौहान लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों के विस्तार में निरंतर सक्रिय है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम धाकड़ और प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान द्वारा महासभा की आगामी गतिविधियों को लेकर संगठन के संरक्षक केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह चौहान से भेंट कर उनका मार्गदर्शन लेने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर महासभा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रति वर्ष चलाए जाने वाले पौधारोपण अभियान को इस वर्ष और अधिक गतिशीलता के साथ पूरे प्रदेश में संचालित किए जाने सहित अन्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई।

### नशीली कफ सिरपः तीन मास्टरमांइड पर 90 हजार का इनाम

# हरिद्वार की कंपनी का स्टिकर ग्रामीण क्षेत्र में सप्लाई

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी भोपाल और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में नसों में जहर घोलने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय सिंडिकेट का स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पर्दाफाश किया है। भोपाल के गांधी नगर में डेढ़ करोड़ रुपये की नशीली कफ सिरप पकड़े जाने के बाद, अब परबलिया थाना क्षेत्र के मुबारकपुर में एक और गुप्त गोदाम का खुलासा हुआ है, जहां से 50 लाख रुपए कीमत की कफ सिरप बरामद की गई है। इस पूरे काले कारोबार का जाल भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर आसपास के कई जिलों के मेडिकल स्टोरों तक फैला हुआ था। गिरोह के तीन मुख्य सरगना अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। एसटीएफ ने तीनों फरार मास्टरमाइंडों पर 30-30 हजार रुपये (कुल 90 हजार रुपये) का इनाम घोषित किया।

एसटीएफ एसपी राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि इस सिंडिकेट के तार बेहद गहराई से जुड़े हैं। फरार चल रहे तीन मुख्य आरोपियों की पहचान उजागर हो चुकी है, जो पुलिस और कानून से बचने के लिए लगातार अपने फर्जी नामों का इस्तेमाल कर रहे हैं। फरार आरोपी अर्जुन मालवीय (उर्फ राहुल कुशवाह) निवासी टीला खेड़ी, नितिन साहू (उर्फ निखिल कुशवाह) निवासी करीम बक्स कॉलोनी और सलमान (उर्फ बाबू भाई) है। यह तीनों आरोपी हर जगह अपनी फर्जी पहचान बताते थे, ताकि मुख्य सप्लायर के तौर पर कभी इनका असली नाम सामने न आ सके। पुलिस की टीमें इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। आरोपी केवल नशीली दवाइयाँ सप्लाई नहीं कर रहे थे, बल्कि भोपाल के गांधी नगर में बाकायदा एक री-पैकिंग और री-सीलिंग फैक्ट्री संचालित कर रहे थे। वहीं, परबलिया के मुबारकपुर में भारी मात्रा में स्टॉक जमा करने के लिए एक गुप्त गोदाम बनाया गया था।

### सामान्य सिरप से कई गुना नशीली है यह सिरप

गिरफ्तार मुख्य आरोपी अकील खान और आकाश भाटी से एसटीएफ की पूछताछ में मुबारकपुर वाले गोदाम का राज उगला। आरोपियों ने कबूल किया कि जब्त की गई ओप कफ सिरप का नशा बाजार में मिलने वाली सामान्य नशीली सिरप (जैसे ओनेक्स) से कहीं गुना ज्यादा और घातक है। गिरोह दवाओं की प्रामाणिकता दिखाने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार की एक प्रतिष्ठित दवा कंपनी के नाम का फर्जी स्टीकर इस्तेमाल कर रहे थे। जब्त सिरप के नमूनों की शुरुआती लैब जांच में यह बात सामने आई है कि इसमें कोडीन फॉस्फेट और एक अन्य प्रतिबंधित नशीला पदार्थ अत्यधिक मात्रा में मिलाया गया है। यह एक ऐसा फॉर्मूलेशन है जिसे बिना किसी वैध डॉक्टर के पर्चे (चिकित्सकीय परामर्श) के बेचना या रखना पूरी तरह गैरकानूनी और दंडनीय अपराध है।

### ग्रामीण क्षेत्रों के मेडिकल स्टोर निशाने पर

यह सिंडिकेट युवाओं और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूरों व छात्रों को अपना निशाना बना रहा था। भोपाल के साथ-साथ सीहोर, विदिशा और रायसेन जैसे नजदीकी जिलों के ग्रामीण इलाकों के मेडिकल स्टोरों पर यह नशीली कफ सिरप ध ?ल्ले से सप्लाई की जा रही थी। कम समय में अंधाधुंध मुनाफा कमाने के चक्कर में कई छोटे मेडिकल स्टोर संचालक भी इस रैकेट का हिस्सा बन चुके थे। एसटीएफ अब इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि हरिद्वार से इतनी ब ?ी मात्रा में नशीला लिक्विड भोपाल तक कैसे पहुंच रहा था और इस पूरे नेटवर्क में दवा विभाग के स्थानीय स्तर पर कौन से लोग आंखें मूंदे बैठे थे।

## मंत्रि-परिषद की उच्च स्तरीय समिति हुई गठित

**भोपाल।** देश में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा आगामी खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मंत्रि-परिषद के सदस्यों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।यह समिति उर्वरकों की उपलब्धता, उनके मूल्य नियंत्रण और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सुचारू संचालन के संबंध में विचार-विमर्श कर राज्य सरकार को सुझाव देगी। उच्च स्तरीय समिति में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना और सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग शामिल हैं।

# रंगों के माध्यम से तनावमुक्ति पर एम्स में कार्यशाला

सच संवाददाता ॥ भोपाल

एम्स भोपाल के स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र द्वारा दो दिवसीय जलरंग चित्रकला (वाटरकलर पेंटिंग) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित कुल 29 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभिलाष देवांगन (मॉडलर आर्टिस्ट) ने प्रतिभागियों को रंगों के मिश्रण, ब्रश तकनीक, छायांकन, संरचना और प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कला के माध्यम से रचनात्मकता को बढ़ावा देना, तनाव कम करना तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना था। एम्स भोपाल अपने विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आमजन के समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। इसी क्रम में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, एम्स भोपाल द्वारा दो दिवसीय जलरंग चित्रकला (वाटरकलर पेंटिंग) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कला के माध्यम से रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना, तनाव को कम करना तथा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था। कार्यशाला में एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित कुल 29 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र से जुड़े अभिलाष देवांगन (मॉडलर आर्टिस्ट) द्वारा किया गया।

उन्होंने प्रतिभागियों को जलरंग चित्रकला (वाटरकलर पेंटिंग) की मूलभूत तकनीकों से परिचित कराया। प्रशिक्षण के दौरान रंगों के मिश्रण, ब्रश के प्रभावी उपयोग, छायांकन, चित्र संरचना तथा प्राकृतिक दृश्यों के निर्माण जैसी महत्वपूर्ण विधियों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि चित्रकला जैसी रचनात्मक गतिविधियां तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन और मानसिक शांति प्राप्त करने में सहायक होती हैं। ऐसे कार्यक्रम यह संदेश देते हैं कि व्यस्त जीवनशैली के बीच कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति को अपनाकर मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

## अवैध डेयरी से क्षेत्र में फैल रही

**भोपाल।** दक्षिण पश्चिम विधानसभा के रातीबड़ नीलबड़ में बरखेड़ी खुर्द में साक्षी ढाबा के पास सरकारी जमीन पर अवैध रूप से डेयरी संचालित की जा रही है। रहवासियों ने सरकारी जमीन पर चलने वाली इस डेयरी के कारण आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलने की शिकायत की है। रहवासियों का कहना है कि खुले मैदान में भूसा पड़ा रहता है आसपास गोबर और कचरा बिखरा रहता है, तेज हवा चलने पर भूसा लोगों के लोगों की आंखों घरों में तक फैल जाता है जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। रहवासियों ने कहा है कि अगर शीघ्र ही डेयरी को नहीं पटवाया गया तो आंदोलन किया जाएगा। प्रशासन डेयरी को शहर से बाहर करने के लिए कई बार निर्देश जारी कर चुका है इसके बावजूद रहवासी इलाके के बीच सरकारी जमीन पर उक्त डेयरी नगर निगम और जिला प्रशासन को निर्देशों को धता बताते हुए संचालित की जा रही है।

## बीजेपी में संगठन विस्तार पर इंतजार, कार्यसमिति गठन फिलहाल टला

**भोपाल।** मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की नई कार्यसमिति के इंतजार में बैठे नेताओं और कार्यकर्ताओं को अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। पार्टी की नई कार्यसमिति का ऐलान फिलहाल टाल दिया गया है और इसकी घोषणा अभी नहीं की जाएगी। दरअसल, केंद्र में बीजेपी सरकार के सफलतम 12 साल पूरे होने के मौके पर पार्टी एक विशेष अभियान की तैयारियों में जुट गई है।

## करोड़ों के बजट के बाद भी बीयू में शोध कार्यों की गति धीमी

**भोपाल।** बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) में शोध कार्यों की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। शासन की ओर से विश्वविद्यालय को रिसर्च और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये का बजट दिया जा रहा है, लेकिन धरातल पर शोध कार्य बेहद धीमी गति से हो रहे हैं।

पिछले पांच वर्षों में विश्वविद्यालय में केवल 524 शोध कार्य पूरे हुए हैं। इनमें भी वर्ष 2023-24 में सबसे कम मात्र 97 शोध कार्य दर्ज किए गए, जिससे विश्वविद्यालय की शोध व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में शोध कार्यों के लिए 1.30 करोड़ रुपये का विशेष प्रविधान किया गया था। इस राशि का उपयोग शोध परियोजनाओं, लैब अपग्रेड, फील्ड स्टडी, सेमिनार और रिसर्च पब्लिकेशन को बढ़ावा देने के लिए किया जाना था। हालांकि वित्तीय वर्ष के नौ महीने बीत जाने के बाद अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच इस मद में केवल 3.29 लाख रुपये ही खर्च किए गए। स्थिति इतनी खराब है कि संशोधित बजट जारी होने के बाद यह मान लिया गया कि पूरे साल में भी शोध कार्यों पर सिर्फ 4.38 लाख रुपये ही खर्च हो पाएंगे ।यानी कुल बजट का लगभग 97 प्रतिशत हिस्सा रिसर्च तक पहुंच ही नहीं सका।

### प्रयोगशालाओं में संसाधनों की भारी कमी

विश्वविद्यालय में फैकल्टी के आधे पद खाली है ।कई विभागों में शोध के लिए जरूरी संसाधनों का अभाव बना हुआ है। विज्ञान संकाय के विभागों में केमिकल तक उपलब्ध नहीं हैं, जबकि प्रयोगशालाओं के कई उपकरण आउटडेटेड हो चुके हैं। कुलगुरु सुरेश कुमार जैन ने विभागों को रिसर्च और नवाचार से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए थे।

कुछ विभागों ने प्रस्ताव तैयार कर प्रबंधन को भेजे भी, लेकिन उन्हें आवश्यक बजट नहीं मिल पाया। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विश्वविद्यालयों को हर साल करोड़ों रुपये का बजट दिया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद रिसर्च के क्षेत्र में अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। बीयू की स्थिति यह दर्शाती है कि शोध कार्यों के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है। विश्वविद्यालय का कुल वार्षिक बजट करीब 92 से 95 करोड़ रुपये है, लेकिन शोध पर वास्तविक खर्च महज 0.05 प्रतिशत तक सीमित रह गया है। इससे उच्च शिक्षा और शोध की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

## स्वदेशी जागरण मंच की तेलंगाना में अलख जगा रहीं भारत प्रांत प्रमुख

सच संवाददाता ॥ भोपाल

स्वदेशी जागरण मंच की महिला प्रांत की महिला प्रमुख सीमा भारद्वाज तेलंगाना के प्रवास पर हैदराबाद पहुंचीं। यहां श्रीमती भारद्वाज ने जुबली हिल्स स्थित भव्य एवं प्राचीन श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से स्वदेशी चिंतन एवं पर्यावरण संरक्षण पर आत्मीय चर्चा करने के साथ ही उन्हें स्वदेशी पत्रक प्रदान किए तथा आग्रह किया कि वे भी इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। इसके साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से पत्रक का चित्र अपने व्हाट्सएप एवं सोशल मीडिया पर भी साझा करने का भी आग्रह किया। जैसे ही श्रद्धालुओ ने पत्रक देखे सभी ने अत्यंत सकारात्मक भाव से इन्हें स्वीकार किया। स्वदेशी विचार को आगे बढ़ाने का संकल्प भी व्यक्त किया। श्रीमती भारद्वाज हैदराबाद प्रवास पर वहां के स्थानीय लोगों से मिलकर स्वदेशी अपनाने के अभियान के तहत पहुंची हैं।

# विजय नगर महामृत्युंजय मंदिर में : श्रीमद्भागवत कथा में भक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अद्भुत संगम

सच संवाददाता ॥ भोपाल

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ कथा के पंचम दिवस पर भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत शिव, यशोदा और श्रीकृष्ण के मनोहारी नृत्य से हुई, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद राधिका गोरी से भजन पर आधारित दिव्य झांकी और कृष्ण लीला प्रसंगों की प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने इन प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया और पूरे परिसर में भक्ति रस की अनुभूति हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने भी कथा में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि समाज में केवल भगवान श्रीराम को मानना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों, धर्म और जीवन मूल्यों को अपनाना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक कथाएं समाज में संस्कार, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम हैं। समिति के उपाध्यक्ष राधेश्याम नाथानी ने जानकारी दी कि कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में संत नरेश परदासानी, दिनेश मेंघानी, पीके सक्सेना, कन्हैया लुहाना, विनोद, वैभव, लता कल्याणी, धनवंती, रत्ना, रोशनलाल उतवानी, विनय दयरामानी, विकास सराफ, नीलम सक्सेना सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के पंचम दिवस पर पूरा वातावरण भक्ति रस, सांस्कृतिक रंग और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा।

# नवाब की कथित शत्रु संपत्तियों की जांच की मांग, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने भोपाल रियासत की कथित शत्रु संपत्तियों के मामले में सक्षम कार्रवाई की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम) भोपाल सुमित कुमार पाण्डे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्तियों, उनके स्वामित्व और शत्रु संपत्ति से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार के तत्कालीन अधिकारी वी.पी. मेनन द्वारा 29 अप्रैल 1949 को हस्ताक्षरित नक्शे के अनुसार 'कसरे-ए-सुल्तानी' परिसर के भीतर स्थित सभी संपत्तियां, फिरदोस फार्म तथा रिजवान बाग नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्ति थीं। इनमें फिरदोस फार्म का क्षेत्रफल लगभग 839.28 एकड़ तथा रिजवान बाग का क्षेत्रफल लगभग 139.75 एकड़ बताया गया है। अग्निहोत्री ने मांग की है कि नवाब परिवार के आधिपत्य में वर्तमान में मौजूद अन्य भूमि, भवन और संपत्तियों की भी जांच कराई जाए। ज्ञापन में माननीय हाईकोर्ट में प्रस्तुत दस्तावेजों में अभिनेता सैफ अली खान द्वारा कोहेफिजा, नयापुरा, हलालपुर और भोपाल शहर क्षेत्र में नवाब भोपाल की संभावित 1370 एकड़ भूमि का उल्लेख किया गया है। उन्होंने प्रशासन से स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या यह भूमि शत्रु संपत्ति की श्रेणी में आती है। अमिताभ अग्निहोत्री ने यह भी सवाल उठाया कि कस्टोडियन विभाग, भारत सरकार, मुंबई द्वारा 25 फरवरी 2015 को मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग को भेजे गए पत्र के बावजूद 11 वर्षों में इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि कस्टोडियन विभाग ने 19 दिसंबर 2014 और 16 फरवरी 2015 को सैफ अली खान को नवाब भोपाल की संपत्तियों के संबंध में नोटिस जारी किए थे। ज्ञापन में मांग की गई है कि सैफ अली खान, शर्मिला टैगोर, सबाह अली खान, सोहा अली खान और सबीहा सुल्तान से 'मर्जर एग्रीमेंट' की मूल प्रति, वी.पी. मेनन द्वारा हस्ताक्षरित मूल नक्शा तथा 1 जून 1949 से पूर्व भारत सरकार को सौंपी गई नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्तियों की मूल सूची प्रस्तुत कराई जाए। उल्लेखनीय है कि भोपाल नवाब की कथित शत्रु संपत्तियों से जुड़े मामले में 13 दिसंबर 2024 को माननीय हाईकोर्ट जबलपुर ने भारत सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। इस निर्णय के बाद मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने भोपाल रियासत की कथित शत्रु संपत्तियों से जुड़े मामलों में पारदर्शी जांच और आवश्यक दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, कस्टोडियन विभाग भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग तथा जिला प्रशासन सहित विभिन्न संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहाकि भारत सरकार और भोपाल नवाब के बीच हुए समझौते से संबंधित दस्तावेजों में तत्कालीन अधिकारी वी.पी. मेनन द्वारा 29 अप्रैल 1949 को हस्ताक्षरित नक्शे का उल्लेख है। इस नक्शे के अनुसार 'कसरे-ए-सुल्तानी' परिसर की संपत्तियां, फिरदोस फार्म और रिजवान बाग नवाब भोपाल की व्यक्तिगत संपत्तियां थीं। अग्निहोत्री ने मांग की है कि इसके अलावा नवाब परिवार के कब्जे या आधिपत्य में मौजूद अन्य भूमि, भवन और संपत्तियों की वैधता की जांच कराई जाए। अग्निहोत्री ने कस्टोडियन विभाग, भारत सरकार, मुंबई द्वारा 25 फरवरी 2015 को मध्यप्रदेश शासन को भेजे गए पत्र का उल्लेख करते हुए पूछा है कि पिछले 11 वर्षों में इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई। साथ ही उन्होंने 13 दिसंबर 2024 को उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा भारत सरकार के पक्ष में दिए गए फैसले के बाद केंद्र और राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है।

## संपादकीय

# विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्राफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मन:स्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

इसमें दो राय नहीं कि वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट के वैभव ने आज पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। क्रिकेट की दुनिया के तमाम दिग्गज क्रिकेटर इस उदीयमान खिलाड़ी के क्रिकेट के कारनामों से हतप्रभ हैं। वे वैभव को आशीष व अनुभव दे रहे हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर ने उसे अपना स्वाभाविक क्रिकेट खेलने की सलाह तक दी है। इतना ही नहीं, भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान में भी वैभव को पूरा लाड मिल रहा है। पूरे पाकिस्तान में उसकी खेल तकनीक की खूब चर्चा होती है। निस्संदेह, उनकी निडर बल्लेबाजी और उल्लेखनीय रूप से निरंतर बेहतर खेलना, क्रिकेट के छोटे प्रारूप के प्रति नई पीढ़ी के साहसिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। हालांकि, उनकी प्रतिभा को लगातार अभ्यास से हासिल व कुछ लोगों द्वारा नैसर्गिक प्रतिभा कहा जा रहा है, लेकिन चर्चा उनकी इतनी कम उम्र में हासिल परिपक्वता को लेकर भी है। सही मायने में दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की सूर्यवंशी की क्षमता ठीक उसी गुण को दर्शाती है,जिसने वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है।

# चीन की दूरदृष्टि से सबक लेने की जरूरत

**यह सब सावधानी से की गई योजनाबंदी से हासिल हो पाया, जिसे पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष स्थान दिया गया (अभी वहां 15वीं योजना चल रही है)। ये योजनाएं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद (चीनी कैबिनेट) मिलकर बनाती हैं। यह रणनीतिक बढ़त ही तय करेगी कि देश आगामी ऊर्जा संकट से कैसे निबटेगा।**

ब्लूमबर्ग न्यूज़ की 28 जनवरी, 2026 की खबर के अनुसार, चीन ने पिछले साल सभी तकनीकी क्षेत्रों में 543 गीगावाट जितनी नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत में 2024 के आखिर तक के पैदा हुए कुल बिजली उत्पादन से 12 प्रतिशत ज़्यादा है। चीन की इस बढ़ोतरी में 80 फीसदी से ज़्यादा हिस्सा अक्षय ऊर्जा का था, जिसमें सोलर व पवन ऊर्जा शामिल हैं। वहीं यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार है (लगभग 1.4 अरब बैरल)। दिलचस्प कि उसने 2025 में अपने तेल भंडारण में काफ़ी वृद्धि की, और रूस, ईरान और वेनेज़ुएला से रियायती दरों पर करोड़ों बैरल तेल खरीदा। जबकि भारत के पास सिर्फ़ 21 मिलियन बैरल का तेल भंडार था।

पिछले कुछ दशकों में, चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उत्पादन, लिथियम-आयन बैट्री उत्पादन और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में अपनी ज़बरदस्त रणनीतिक बढ़त बनाई है। चीनी लोग इस समूची मूल्य संवर्धन श्रृंखला में अब दुनियाभर में अग्रणी हैं। ऐसा कर उन्होंने न केवल जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की और प्रदूषण घटाया बल्कि जीवाश्म ईंधन से दूर हटती दुनिया के दौर में अपनी बहुत मज़बूत स्थिति भी बना ली। रेयर अर्थ मिनरल, ईवी निर्माण, बैट्री उत्पादन व स्वच्छ ऊर्जा की यह तिकड़ी, किसी अर्थव्यवस्था की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करने का 'सबसे अहम माध्यम' है।

यह सब सावधानी से की गई योजनाबंदी से हासिल हो पाया, जिसे पंचवर्षीय योजनाओं में विशेष स्थान दिया गया (अभी वहां 15वीं योजना चल रही है)। ये योजनाएं चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद (चीनी कैबिनेट) मिलकर बनाती हैं। यह रणनीतिक बढ़त ही तय करेगी कि देश आगामी ऊर्जा संकट से कैसे निबटेगा। यह ऊंची और नीची महंगाई दर वाले देशों के बीच का फ़र्क बनाता है, और यह तय करने में एक अहम भूमिका निभाएगा कि एआई के युग में डेटा सेंटर कहां स्थापित होंगे, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, भंडारण, रेयर अर्थ मिनरल और डेटा सेंटरों के बीच एक रणनीतिक सांझ है। बीते साल चीन ने अपने रणनीतिक अस्त्र का इस्तेमाल किया व रेयर अर्थ के निर्यात पर रोक लगाकर भारत का ईवी उत्पादन करीब ठप कर दिया था (इस क्षेत्र में उसका लगभग एकाधिकार है)।

देश -अपनी सरकारों के ज़रिए- भविष्य के लिए योजना बनाते हैं। ऐसी योजना में विगत के और मौजूदा अनुभवों का गहराई से विश्लेषण करना शामिल होता है, साथ ही भविष्य के संभावित बदलावों के बारे में भी अनुमान भी लगाए जाते हैं। उपरोक्त अवयवों के आधार पर, सरकार भविष्य से निबटने को नीतियां बनाती है। जब हम खुद को और अपनी मौजूदा स्थिति को, खासकर ऊर्जा की स्थिति और उसके नतीजों के मामले में, देखते हैं, तो लगता है कि हमने पिछले कुछ दशक में जरूरी तैयारी नहीं की।

चूंकि भारत का अपना तेल का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए यह यकीनी बनाना केंद्र की ज़िम्मेदारी है कि आपात स्थिति में संसाधन उपलब्ध रहें, पर्याप्त

भंडार बनाए, और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह कि बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा अपनाएं, ताकि हम आयातित कच्चे तेल पर बिल्कुल निर्भर न रहें। जहां यह बात तसल्ली देने वाली है कि हमारी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का आधा हिस्सा अब नवीकरणीय स्रोतों से आता है, लेकिन कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन का हिस्सा अभी भी सबसे अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। अहम बात यह है कि यह अभी भी कुल बिजली खपत का 70 प्रतिशत हिस्सा मुहैया करवाता है, जबकि भारत ने अभी तक बिजली के भंडारण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं की। जबकि चीन ने इस मामले में बहुत काम किया है। यह दशक लगातार उथल-पुथल भरा रहा। पहले कोविड महामारी, फिर पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया युद्ध जो जारी हैं, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उद्भव। भारत औद्योगिक क्रांति करने से चूक गया था, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। देश '80 और '90 के दशक के कंप्यूटर-प्रधान युग के शुरुआती दौर में भी चूक कर गया; '90 के दशक के आर्थिक सुधार तब जाकर लागू किए, जब देश करीब दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया। शुक्र है, निजी क्षेत्र ने आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी संभाली, साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की बड़ी फौज ने भी स्थिति से उबारने में मदद की। हालांकि भारत अभी सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी नहीं बन पाया, आईटी क्षेत्र में उसकी जगह अधिकांशत: सेवा आधारित क्षेत्र में ही है। हालांकि देर से हुई शुरुआत के मद्देनज़र, काबिल-ए-तारीफ है कि हम इतनी प्रगति कर पाए। एआई से आ रहे बड़े बदलावों की बात करें तो, हमने एक बार फिर मौका गंवा डाला है और अब हम उसे तेज़ी से दूर जाते हुए देख सकते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में हमारी कोई जगह नहीं, और हमारा इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आपूर्ति के लिए एशियाई दिग्गजों- ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन पर निर्भर बना हुआ है। जिन डेटा सेंटर्स की स्थापना की योजना बनाई जा रही, वे भी दूसरों पर निर्भर रहेंगे। अमेरिका और चीन ने एआई और उससे जुड़े बुनियादी ढांचा निर्माण में बहुत बड़ी छलांग लगाई। इस आधारभूत ढांचे में बेहतरीन चिप बनाना, सस्ती बिजली और सरकार का योगदान बतौर सुधारक और मददगार होना शामिल है। एनवीडिया सरीखी कंपनियां अब खरबों डॉलर मूल्य की बन चुकी हैं और एआई तकनीक का प्रवाह नियंत्रित करती हैं। किसे ये चिप्स मिल सकती हैं और किसे नहीं, अमेरिका ही तय करता है। एएसएमएल जैसी डच कंपनियां -जो बेहतरीन क्वालिटी के माइक्रोचिप्स उत्पादन के लिए मशीनें बनाती हैं और इस क्षेत्र में उनका करीब एकाधिकार है- सिर्फ़ उनको ही बेच सकती हैं, जिसकी इज़ाजत अमेरिका देता है। इन सब के बीच हम कहां खड़े हैं? क्या हम एक बार फिर से केवल सेवा और रखरखाव प्रदाता बनने की उम्मीद पाले हैं? जिस स्तर का ऑटोमेशन व रोबोटिक्स सामने आ रहा है, उसे देखकर लगता है, हमारी यह भूमिका भी बहुत छोटी होकर रह जाएगी। एआई के इस दौर में, अपनी बादशाहत कायम करने की होड़ में जब अलग-अलग देशों के रणनीतिक हित आपस में टकरा रहे हैं, तो ऐसे में एक समझदार और दूरदर्शी नेतृत्व की ज़रूरत है। एआई आधारभूत तंत्र विकास और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक साझेदारियां बनाने में विदेश नीति और कूटनीति की अहम भूमिका होगी। आज की तारीख में, यहां तक कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों और ग्रिड स्टोरेज के हेतु बैट्री बनाने की हमारी क्षमता चीन से आयातित 'दुर्लभ खनिजों' पर निर्भर है (इस क्षेत्र में भी चीन का लगभग एकाधिकार)। रणनीतिक गठबंधनों की ज़रूरत हमें गैस की कमी, और पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध के कारण 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़' के बंद हो जाने से पैदा हुई उर्वरकों और कच्चे तेल की संभावित कमी व आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों के रूप में साफ़ दिखती है। हमें मजबूरन हाथ-पैर मारने पड़ रहे, दूसरों से मदद मांगनी पड़ी। रूस संग हमारा भी समझौता था, चीन की तरह, लेकिन रूस पर प्रतिबंधों का सर्वाधिक नुकसान हमें उठाना पड़ा।

इसी तरह, अब हमें ईरान से भी तेल नहीं मिल पा रहा है। हमारी भंडारण क्षमता भी सीमित है, और हमने हाल ही में यूएई के साथ मिलकर बड़े-बड़े तेल भंडार बनाने का समझौता किया है... लेकिन इसको फलीभूत होने में अभी काफ़ी समय लगेगा। अमेरिका-ईरान युद्धबंदी वार्ता नाकाम होना हमारे लिए और भी ज़्यादा नुकसानदेह साबित होगा और इससे अफ़रा-तफ़री मच सकती है - ऐसी स्थिति से हम अब तक किसी तरह बचे हुए थे। इसके साथ ही, अमेरिका पाकिस्तान और उसके फील्ड मार्शल की पीठ ठोक रहा है, और ईरान के मामले में उस पर एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ के रूप में भरोसा करता है। आर्थिक दुश्वारियों से राहत पाने में अमेरिका ने विश्व बैंक के ज़रिए उसकी मदद की है।

इस चौतरफ़ा हमले का सामना करने के लिए पूरे देश का एकजुट रहना जरूरी है। इस पहल की शुरुआत भारत सरकार के नेतृत्व से होनी चाहिए।

**-गुरवचन सिंह जगत**
**लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।**

# भानु सप्तमी से निर्जला एकादशी तक , जून माह के ग्रह गोचर और व्रत त्योहारों की लिस्ट

साल 2026 का छठा महीना जून कई मायनों में खास रहने वाला है। इस महीने जहां एक ओर भानु सप्तमी, निर्जला एकादशी और शनि त्रयोदशी जैसे महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार पड़ेंगे, वहीं दूसरी ओर कई बड़े ग्रह भी अपनी चाल बदलेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के राशि परिवर्तन और नक्षत्र गोचर का सीधा प्रभाव मानव जीवन, मौसम, व्यापार, करियर और पारिवारिक जीवन पर पड़ता है। खास बात यह है कि जून 2026 में चंद्र ग्रह कई बार राशि और नक्षत्र परिवर्तन करेगा, जिससे सभी 12 राशियों पर अलग-अलग असर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं जून 2026 के प्रमुख व्रत-त्योहार, शुभ तिथियां और ग्रह गोचर की पूरी लिस्ट।

### जून 2026 के व्रत-त्योहार

| तिथि | वार | व्रत-त्योहार |
|---|---|---|
| 3 जून 2026 | बुधवार | विभुवन संकष्टी |
| 7 जून 2026 | रविवार | अधिक भानु सप्तमी |
| 8 जून 2026 | सोमवार | अधिक कालाष्टमी और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी |
| 11 जून 2026 | गुरुवार | परम एकादशी |
| 12 जून 2026 | शुक्रवार | प्रदोष व्रत (शुक्र) और अधिक कृष्ण रामलक्ष्मण द्वादशी |
| 13 जून 2026 | शनिवार | मासिक कार्तिगाई और मासिक शिवरात्रि |
| 14 जून 2026 | रविवार | रोहिणी व्रत और अधिक दर्श अमावस्या |
| 15 जून 2026 | सोमवार | मिथुन संक्रांति, ज्येष्ठ अधिक अमावस्या और ज्येष्ठ अधिकमास समाप्त |
| 16 जून 2026 | मंगलवार | चंद्र दर्शन |
| 18 जून 2026 | गुरुवार | प्रद्युम्न चतुर्थी |
| 19 जून 2026 | शुक्रवार | स्कन्द षष्ठी |
| 20 जून 2026 | शनिवार | जमाई षष्ठी |
| 21 जून 2026 | रविवार | भानु सप्तमी और साल का सबसे बड़ा दिन |
| 22 जून 2026 | सोमवार | धूमावती जयंती और मासिक दुर्गाष्टमी |
| 23 जून 2026 | मंगलवार | महेश नवमी |
| 25 जून 2026 | गुरुवार | निर्जला एकादशी और गायत्री जयंती |
| 26 जून 2026 | शुक्रवार | राम-लक्ष्मण द्वादशी |
| 27 जून 2026 | शनिवार | शनि प्रदोष व्रत और शनि त्रयोदशी |
| 29 जून 2026 | सोमवार | वट पूर्णिमा व्रत, ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत और बटुक भैरवी जयंती |
| 30 जून 2026 | मंगलवार | आषाढ़ का आरंभ |

### जून 2026 के ग्रह गोचर की लिस्ट

| | |
|---|---|
| 2 जून 2026 | गुरु ग्रह का कर्क राशि में गोचर |
| 8 जून 2026 | शुक्र ग्रह का कर्क राशि में गोचर |
| 15 जून 2026 | सूर्य ग्रह का मिथुन राशि में गोचर |
| 21 जून 2026 | मंगल ग्रह का वृषभ राशि में गोचर |
| 22 जून 2026 | बुध ग्रह का कर्क राशि में गोचर |
| 29 जून 2026 | बुध ग्रह वक्री |

### जून माह के प्रमुख व्रत एवं त्योहार

**03 जून ( बुधवार ):** विभुवन संकष्टी चतुर्थी
**07 जून ( रविवार ):** अधिक भानु सप्तमी
**08 जून ( सोमवार ):** अधिक कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
**11 जून ( गुरुवार ):** परम एकादशी (अधिकमास की एकादशी)
**12 जून ( शुक्रवार ):** प्रदोष व्रत (कृष्ण पक्ष)
**13 जून ( शनिवार ):** मासिक शिवरात्रि
**15 जून ( सोमवार ):** ज्येष्ठ अधिक अमावस्या (अधिकमास समाप्त), मिथुन संक्रांति
**17 जून ( बुधवार ):** महाराणा प्रताप जयंती
**21 जून ( रविवार ):** भानु सप्तमी, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (साल का सबसे बड़ा दिन)
**22 जून ( सोमवार ):** धूमावती जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी
**23 जून ( मंगलवार ):** महेश नवमी
**25 जून ( गुरुवार ):** निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती (बिना पानी के रखा जाने वाला साल का सबसे कठिन और महत्वपूर्ण एकादशी व्रत)
**27 जून ( शनिवार ):** शनि प्रदोष व्रत
**29 जून ( सोमवार ):** वट पूर्णिमा व्रत, ज्येष्ठ पूर्णिमा, संत कबीर दास जयंती
**30 जून ( मंगलवार ):** आषाढ़ मास का प्रारंभ

# मुस्लिम ने मुस्लिम को खदेड़ा

घुसपैठियों का मुद्दा सामान्य नहीं, बेहद संवेदनशील और पेचीदा है। कूटनीति और बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों पर तनाव बढ़ सकता है। यह भारत की ही समस्या नहीं, बल्कि खाड़ी के मुस्लिम देश, यूरोप, ब्रिटेन और अमरीका भी परेशान हैं। अंततः घुसपैठियों को खदेड़ा जा रहा है। ऐसे सभी लोग घुसपैठिए भी नहीं हैं। बहरहाल सिर्फ मुस्लिम देशों के ही कुछ उदाहरण लें, तो साफ होगा कि यह कितना नाजुक और बिलबिला देने वाली समस्या है। पाकिस्तान ने बीते सालों में 1.46 लाख से अधिक अफगानी मुसलमानों को उनके देश वापस जाने को विवश किया है। दोनों इस्लामी देश हैं। ईरान आज युद्ध में घिरा है, लेकिन इससे पहले वह करीब 15 लाख मुसलमानों को देश से खदेड़ चुका है। संयुक्त अरब अमीरात के स्वप्निल, शानदार शहर दुबई जाने को आधुनिक युवा हरचंद कोशिश करते हैं। वहां नौकरियों के मोटे पैकेज मिलते हैं और व्यापार की चौतरफा संभावनाएं हैं। दुबई 'धन्नासेठों का शहर' भी है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात ने ही 7500 से अधिक पाकिस्तानी लोगों को वापस जाने को विवश किया है। उन्हें अपना सामान पैक करने तक का वक्त नहीं दिया गया। तुर्किए खुद को मुसलमानों का 'खलीफा देश' मानता है। उसने भी करीब 2.60 लाख लोगों को देश छोड़ कर चले जाने को बाध्य किया है। जॉर्डन ने जिन 6.75 लाख के करीब लोगों को, खेती का काम करने को, शरण दी थी, उनमें से 1.5 लाख से अधिक शरणार्थियों को वह खदेड़ चुका है। सऊदी अरब ने तो हद ही कर दी, जब 18,836 कथित अवैध, अवांछित अप्रवासियों को हथकड़ी लगाकर देश के बाहर किया गया। अमरीका ने भी हथकड़ी, बेडियां बांध कर भारतीयों को वापस भेजा था और हम एक राष्ट्र के तौर पर 'चूं' तक नहीं कर पाए थे। इसी तरह मुस्लिम देश अधिकतर मुसलमानों को ही निष्कासित कर रहे हैं, तो किसी भी देश ने इसे उनका एजेंडा करार नहीं दिया। मानवाधिकार के नाम पर या तो मुंह में दही जम गया अथवा आंखें मूंद ली गईं। दुनिया ने इस 'खदेड़बाजी' को राष्ट्रीय सुरक्षा और उन देशों के संसाधनों का राष्ट्रीय प्रबंधन मान लिया, लेकिन भारत में, खासकर बंगाल से, घुसपैठियों को देश से बाहर करने के मुद्दे पर एक राजनीतिक, सामाजिक, मजहबी तबका बिलबिलाने क्यों लगता है? राज्यसभा में भारत सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि देश में करीब 2 करोड़ घुसपैठिए हैं। विशेषज्ञ यह संख्या 3-4 करोड़ आंकते हैं, क्योंकि बंगाल के अलावा, उप्र, बिहार, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र आदि राज्यों से लेकर राजधानी दिल्ली में भी घुसपैठिए हैं।

# ऊर्जा सुरक्षा, भारत की स्थिति व पीएम की यात्राएं

पिछले लगभग 3 माह से चल रहे युद्ध के चलते देश के समक्ष एक बड़ी समस्या आ खड़ी हुई है, जो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, बाधित आपूर्ति आदि के कारण देश में महंगाई बढने लगी है। इसलिए दीर्घकाल के लिए जो प्रयास हो रहे हैं, वे अल्पकाल के लिए शायद काफी नहीं हैं। देश में आने वाले कुछ समय तक पेट्रोलियम पदार्थों की कमी को भी दूर करना जरूरी है एक ओर अमरीका और इजरायल तथा दूसरी ओर ईरान के बीच युद्ध को लगभग तीन महीने होने जा रहे हैं और यह तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा। अमरीका को अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए ईरान ने खाड़ी के देशों पर भी हमले किए हैं। लगभग 20 देश युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं। उधर युद्ध रुकवाने के लिए अमरीका पर दबाव बनाने और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने हेतु एक महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को ईरान ने लगभग बंद कर दिया है। गौरतलब है कि दुनिया के कुल तेल और गैस की 20 फीसदी आवाजाही इस मार्ग से होती है। ऐसे में भारत सहित कई देश तेल और गैस की कमी के कगार पर खड़े हैं। साथ ही साथ युद्ध के चलते तेल और गैस की आवाजाही के बाधित होने से तेल और गैस की कीमतों में भी खासी वृद्धि हुई है और यह लगातार जारी है। भारत में सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी घटाकर तेल की कीमतों को स्थिर रखने का बड़ा प्रयास किया गया, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में लगातार होती वृद्धि के कारण अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी वृद्धि प्रारंभ हो गई है। कॉमर्शियल गैस के सिलेंडरों की कीमतों में तो पहले से ही भारी वृद्धि हो चुकी है। हालांकि रसोई गैस की कीमतों को अभी तक नहीं बढ़ाया गया है, लेकिन उसमें कभी भी वृद्धि हो सकती है। दूसरी तरफ चूंकि देश की कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत पूर्ति आयात से होती है, तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हो रही लगातार वृद्धि के कारण भारत का तेल आयात बिल बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण एक तरफ रुपए में गिरावट हो रही है तो दूसरी तरफ देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी खाली होता जा रहा है। युद्ध के प्रथम तीन महीनों में ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 47 अरब डालर कम हो चुका है। इन सब बातों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता से अपील की है कि वे पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग को उत्तरोत्तर कम करने का प्रयास करें। इस कारण उन्होंने जनता से वर्क फ्रॉम होम, अधिक सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल की भी अपील की है। साथ ही विदेशी मुद्रा बचाने के लिए भी उन्होंने सोने की खरीद को कम करने, विदेशी यात्राओं से परहेज करने आदि के लिए भी जनता से गुहार लगाई है। इन परिस्थितियों में मई 2026 के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली की महत्वपूर्ण यात्राएं आज बड़ी चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि इन यात्राओं का रणनीतिक संदर्भ भी है। लेकिन माना जा रहा है कि इन यात्राओं के पीछे एक बड़ी प्राथमिकता देश की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग भी है। पश्चिमी एशिया में क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक तेल बाजारों में उथल-

पुथल के चलते यह स्पष्ट है कि भारत इस यात्रा को परंपरागत तेल की आपूर्ति और भविष्य के लिए हरित ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं को बढ़ाने में सफल हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात भारत के तेल आयात का चौथा सबसे बड़ा स्रोत है, जहां से भारत की कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का 11 प्रतिशत प्राप्त होता है। तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में यूएई का तीसरा स्थान है और भारत यूएई की गैस का सबसे बड़ा खरीददार है। एलपीजी के लिए भी यूएई भारत का सबसे बड़ा स्रोत है। दूसरी तरफ भारत द्वारा परिष्कृत पेट्रोलियम और लुब्रीकेंट का निर्यात भी यूएई में बड़ी मात्रा में होता है और इस संदर्भ में भी उसका दूसरा सबसे बड़ा स्थान है। भारतीय कंपनियों ने बड़ी मात्रा में यूएई की ऊर्जा परिसंपत्तियों में निवेश किया हुआ है। यूएई की कंपनी 'मसदर' ने राजस्थान में 60 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता निर्माण के लिए समझौता किया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की यात्राओं में यूएई की यात्रा प्रारंभ में शामिल नहीं थी, और अंतिम समय पर 15 मई के लिए यूएई की यात्रा को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में जोड़ा गया। यात्रा क्रम में इस बदलाव को कूटनीतिक और आर्थिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सबसे खास यह रही कि आपातकाल में भारत के पेट्रोलियम भंडार की आवश्यकता पूर्ण करेगा और ऐसी किसी भी स्थिति में भारत को गारंटी के साथ तेल की आपूर्ति की जा सकेगी। हालांकि भारत के पास तेल के भंडारण की काफी क्षमता है, लेकिन उसके बावजूद भी युद्धकाल में ऐसा देखा गया कि यह क्षमता युद्ध की स्थिति में अपर्याप्त है। अबूधाबी नेशनल आयल कंपनी और इंडियन आयल लिमिटेड के बीच एक सहयोग समझौता हुआ, जिससे भारत की एलपीजी आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यूएई की यात्रा में खास बात रणनीतिक प्रतिरक्षा साझेदारी का फ्रेमवर्क भी शामिल है। इसके अंतर्गत दोनों देशों के बीच प्रतिरक्षा और प्रौद्योगिक सहयोग को मजबूत किया जाएगा। जलपोत मरम्मत हेतु गुजरात में एक कलस्टर भी बनाया जाएगा। यूएई द्वारा भारत में निवेश के संदर्भ में भी समझौते हुए। कुल मिलाकर भारत और यूएई के बीच आर्थिक सहयोग का एक नया अध्याय इसके साथ शुरू हो गया है। यह सही है कि चाहे लंबे समय से देश की अधिकांश ऊर्जा की आवश्यकताएं आयातित पेट्रोलियम पदार्थों से पूरी होती रही हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश ने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों में भी काफी प्रगति की है। आज देश में जितनी बिजली उत्पादन की क्षमता है, उसका 51 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली योजनाओं, न्यूक्लियर ऊर्जा आदि से आता है। इसमें देश लगातार प्रगति कर रहा है और नवकरणीय ऊर्जा क्षमता जो वर्तमान में 288 गीगावाट है, वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट तक पहुंचने का लक्ष्य है। इससे न केवल भारत ऊर्जा की दृष्टि से केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि ऊर्जा की आवश्यकताएं जो अभी तक पेट्रोलियम पदार्थों से पूर्ण होती हैं, अब नवीकरणीय ऊर्जा से पूर्ण हो सकेंगी। पिछले कुछ वर्षों में बैटरी चलित वाहन जैसे ई-रिक्शा, कारें, छोटे और बड़े ट्रक, बस आदि में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। एक तरफ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि और दूसरी ओर विद्युत चालित वाहनों में प्रगति देश को ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन अल्पकाल में देश ऊर्जा की दृष्टि से पूरी तरह से आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। पिछले लगभग 3 माह से चल रहे युद्ध के चलते देश के समक्ष एक बड़ी समस्या आ खड़ी हुई है, जो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, बाधित आपूर्ति आदि के कारण देश में महंगाई बढने लगी है। इसलिए दीर्घकाल के लिए जो प्रयास हो रहे हैं, वे अल्पकाल के लिए शायद काफी नहीं हैं। देश में आने वाले कुछ समय तक पेट्रोलियम पदार्थों की कमी को भी दूर करना जरूरी है। गत सप्ताह प्रधानमंत्री द्वारा की गई खाड़ी देशों की यात्राएं इस संदर्भ में अहम मानी जा रही हैं। प्रधानमंत्री की यात्राओं को देश के समक्ष खड़ी समस्याओं के संदर्भ में देखना होगा।

**वैश्विक मानचित्र में भारत की मजबूत होती स्थिति**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की विदेश यात्राएं, जैसे संयुक्त अरब अमीरात, नॉर्वे, इटली और अन्य रणनीतिक साझेदार देशों की यात्राएं, एक तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने के एक सोचे-समझे प्रयास को दर्शाती हैं। ये यात्राएं केवल औपचारिक नहीं हैं, वे भारत की आर्थिक सुरक्षा, ऊर्जा जरूरतों, तकनीकी प्रगति और भू-राजनीतिक प्रभाव से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इन यात्राओं से ऊर्जा साझेदारियों को मजबूती तो मिली ही, दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों में सहयोग से भारत को वैश्विक कीमतों में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में रुकावटों में भी राहत मिलेगी।

**डा. अश्वनी महाजन**

विधायक ट्रॉफी-2026 का रंगारंग आगाज

# खेलों से शारीरिक और नेतृत्व का क्षमता का होता है विकास : सबनानी

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

विधानसभा क्षेत्र में विधायक ट्रॉफी 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। शुभारंभ के अवसर पर करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज विधायक भगवानदास सबनानी जिला अध्यक्ष रविंद्र यती रहे मौजूद। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों और दर्शकों का स्वागत किया उन्होंने कहा कि खेल जीवन का एक जरूरी हिस्सा है खिलाड़ियों का अनुशासन उनका परिचय देता है, अनुशासित खिलाड़ी ही सफलता प्राप्त करता है, खेलों से जीवन में अनुशासन मानसिक विकास चरित्र निर्माण और नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होता है। हमारी दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, हमारा क्षेत्र शहर का हृदय स्थल है यहां पर हर वर्ग की प्रतिभाएं निवास करती हैं।

मेरा प्रयास रहता है कि हमारे क्षेत्र की प्रत्येक प्रतिभाओं को सम्मान मिले और वह अपनी प्रतिभा से प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं, साथ ही कहना चाहूंगा कि मैं भी खिलाड़ी रहा हूं,खेल और खिलाड़ियों की भावना से भली-भांति परिचित हूं, खेल का उद्देश्य केवल हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि मैदान पर संघर्ष, अनुशासन, टीम भावना और मानवीय मूल्यों को सीखना है।

1 जून से 9 जून तक टेनिस बॉल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में नवप्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग ले रही हैं, नॉकआउट मैचों के साथ 9 जून को फाइनल खेला जाएगा

शुभारंभ के साथ डॉक्टर वर्सेस पत्रकारों का एक शो मैच हुआ, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साह देखने लायक था। प्रतिदिन × से 4 मैच 8 ओवरों के खेले जाएंगे। शुभारंभ पर दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में दर्शन उपस्थित रहे और उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया।

# मैच अरेरा ग्रीन और ब्लू के बीच हुआ फाइनल मुकाबला

अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग प्रतियोगिता

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में अन्तिम दिन सीनियर एज ग्रुप में फाइनल मैच अरेरा ग्रीन और ब्लू के बीच हुआ। ग्रीन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.2 ओवर्स में सभी विकेट खोकर 251रन बनाए। रुद्र तेनगुरिया ने 94, नीर यादव ने 55,0 तेजस लोधी और आशुतोष गिरि ने 27-2 7 रन बनाए। गेंदबाजी में नीरज ग्रोवर, रोशन नायक, अर्जुन शुक्ला और लक्की सूर्यवंशी ने 2-2 विकेट लिए। 2 बल्लेबाज रन आउट हुए। जवाब ब्लू हाउस 32.3 ओवर्स में सभी विकेट खोकर 141 रन बनाए। अर्जुन शुक्ला ने 60, नीरज ग्रोवर ने 38 और पीयूष सिंह ने 19 रन बनाए। ग्रीन हाउस की ओर से हर्षित ओझा ने 4 और प्रतीक शुक्ला ने 3 विकेट लिए। ग्रीन हाउस 110 रनों से विजय प्राप्त कर चैम्पियन बना। रुद्र तेनगुरिया प्लेयर आफ द मैच बने।

प्लेयर आफ द टूर्नामेंट अर्जुन शुक्ला बेस्ट बैट्समैन नीरज ग्रोवर, बॉलर द्रोण श्रीवास्तव, विकेटकीपर तेजस लोधी फील्डर आशुतोष गिरि बने।प्रतियोगिता के अंत में माननीय श्री विश्वास सारंग जी, खेल एवं सहकारिता, मध्य प्रदेश के मुख्य आतिथ्य में एवं विशिष्ट अतिथि श्री शान्ति जैन सचिव बीडीसीए, अजय श्रीवास्तव, नीलू महासचिव, राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, प्रदेश अध्यक्ष निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ,द्वारा पुरस्कार वितरण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अविनाश बुरबुरे, समीर मिरिकर, पारितोष शर्मा, मानसिंह, मुकेश भटनागर, महेश प्रजापति एवं प्रियदर्शिनी पाठक एवं अनेक पालकगण एवं प्लेयर्स उपस्थित हुए।

# सिंधु सेना भोपाल द्वारा आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

आरबीएम पिद्दी 11 बनी सिंधी सुपर किंग्स-2026 की चैंपियन

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

सिंधु सेना भोपाल द्वारा लगातार 9वें वर्ष आयोजित सिंधी प्रीमियर लीग-सीजन 9 का भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में आरबीएम पिद्दी 11 ने संत हिरदाराम 11 को हराकर 'सिंधी सुपर किंग्स-2026' का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में संत हिरदाराम 11 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 94 रन बनाए। जवाब में आरबीएम 11 ने यह मैच 5 विकेट से जीत लिया। पलाश को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टूर्नामेंट में बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार आरबीएम 11 के पलाश को मिला, जिन्होंने 220 रन बनाए। बेस्ट बॉलर का खिताब यूसीसी के राहुल मनचंदा को मिला, जिन्होंने 10 विकेट लिए। बेस्ट फील्डर संत हिरदाराम 11 के पीयूष चुने गए एवं मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार घराना 11 के मोहित सचदेवा को दिया गया, जिन्होंने 210 रन और 5 विकेट लिए। टूर्नामेंट में भोपाल की 16 टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम आरबीएम पिद्दी 11 को 1 लाख 51 हजार रुपये नकद एवं विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता संत हिरदाराम 11 को 51 हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह में जिलाध्यक्ष रविंद्र यति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक राकेश कुकरेजा ने कहा, सिंधी समाज केवल व्यापार में ही नहीं, खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। सिंधी समाज के युवा फिट रहें, स्वस्थ रहें, इसी उद्देश्य से सिंधु सेना पिछले 9 वर्षों से लगातार नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कर रही है। समाज के युवाओं को पूरे साल एसपीएल का इंतजार रहता है। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सिंधु सेना के दर्शन कुकरेजा, अनिल थारवानी, विकास वाधवानी, यशपाल तनवानी, राहुल तलरेजा, सुनील कुकरेजा, नरेश गोलानी एवं सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

## सच बाजार

गोल्ड लोन लेने वालों का तांता

# बैंकों में उमड़ी भीड़: महंगे गोल्ड से लोग उठा रहे डबल फायदा

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

सोने की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों ने जहां आम खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है, वहीं दूसरी ओर यही महंगा सोना लाखों लोगों के लिए आसान फंडिंग का जरिया बन गया है। भोपाल, मध्यप्रदेश में बैंकों और वित्तीय संस्थानों में गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालात ऐसे हैं कि वित्त वर्ष 2026 में गोल्ड लोन सबसे तेजी से बढ़ने वाले सिक्योर्ड लोन सेक्टर के रूप में उभरकर सामने आया है।

जानकारी के अनुसार सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण लोगों को अपने पुराने गहनों और गोल्ड एसेट्स पर पहले से ज्यादा लोन मिल रहा है। यानी सोना बेचने की जरूरत नहीं पड़ रही और उसकी कीमत बढ़ने का लाभ भी बना हुआ है। दूसरी तरफ उसी सोने को गिरवी रखकर तत्काल नकदी हासिल की जा रही है। यही वजह है कि निवेशक और आम उपभोक्ता दोनों गोल्ड लोन को बेहतर विकल्प मान रहे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार गोल्ड लोन का औसत टिकट साइज भी तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024 में जहां औसतन एक लाख रुपए का गोल्ड लोन लिया जा रहा था, वहीं वित्त वर्ष 2026 में यह बढ़कर 1.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है। हालांकि होम लोन अब भी सबसे बड़ी लोन कैटेगरी बना हुआ है, जिसका औसत आकार करीब 33.5 लाख रुपए है, लेकिन वृद्धि दर के मामले में गोल्ड लोन ने सभी को पीछे छोड़ दिया है।

### कम कागजी कार्रवाई और तुरंत पैसा बना आकर्षण

सर्राफा महासंघ भोपाल के संगठन महामंत्री ,प्रवक्ता नवनीत अग्रवाल ने बताया कि गोल्ड लोन की लोकप्रियता के पीछे सबसे बड़ा कारण इसकी आसान प्रक्रिया है। अन्य लोन की तुलना में इसमें दस्तावेज कम लगते हैं, क्रेडिट स्कोर की बाध्यता सीमित होती है और कुछ ही घंटों में राशि मिल जाती है। यही वजह है कि छोटे कारोबारियों, किसानों और मध्यम वर्ग के लोगों के बीच इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। उनके अनुसार गोल्ड लोन की मांग बढ़ने के पीछे एक और बड़ा कारण भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से अनसिक्योर्ड लोन पर बढ़ाई गई निगरानी और सख्ती को माना जा रहा है। पर्सनल लोन और अन्य बिना गारंटी वाले कर्जों पर सख्त नियम लागू होने के बाद लोग अब सिक्योर्ड लोन की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में गोल्ड लोन सबसे आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। वित्तीय विशेषज्ञों में शामिल करसलाहकार राजेश जैन का कहना है कि यदि सोने की कीमतों में मजबूती बनी रहती है तो आने वाले महीनों में गोल्ड लोन बाजार और तेजी से विस्तार कर सकता है। हालांकि उधारकर्ताओं को यह भी ध्यान रखना होगा कि समय पर भुगतान नहीं करने पर गिरवी रखा गया सोना नीलाम किया जा सकता है।

सराफा कारोबारियों आनंद सोनी के अनुसार सोने की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने गोल्ड लोन की मांग को सीधे तौर पर बढ़ावा दिया है। व्यापारियों के अनुसार, पहले लोग जरूरत पड़ने पर सोना बेचने का विकल्प चुनते थे, लेकिन अब बढ़ती कीमतों के कारण ग्राहक अपने गहने बेचना नहीं चाहते। इसके बजाय वे गोल्ड लोन लेकर तत्काल नकदी की जरूरत पूरी कर रहे हैं और भविष्य में सोने की कीमत बढ़ने का लाभ भी बनाए रखना चाहते हैं। सराफा व्यापारियों का कहना है कि बाजार में ग्राहकों की सोच बदली है। लोग अब सोने को केवल आभूषण नहीं, बल्कि एक मजबूत वित्तीय संपत्ति के रूप में देखने लगे हैं। यही कारण है कि गोल्ड लोन कंपनियों और बैंकों में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

### बैंकिंग सेक्टर की राय

बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में गोल्ड लोन सबसे सुरक्षित और तेजी से बढ़ने वाले रिटेल लोन उत्पादों में शामिल हो गया है। बैंकों के अनुसार सोने की बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों की उधार लेने की क्षमता बढ़ा दी है, जिससे उन्हें पहले की तुलना में अधिक राशि का लोन मिल रहा है। बैंक अधिकारियों का मानना है कि अनसिक्योर्ड लोन की तुलना में गोल्ड लोन में जोखिम कम होता है क्योंकि इसके बदले बैंक के पास सोने के रूप में पर्याप्त सुरक्षा होती है। यही वजह है कि कई बैंक और वित्तीय संस्थान इस सेगमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं और ग्राहकों के लिए आकर्षक योजनाएं पेश कर रहे हैं।

## श्रीजी शिपिंग को आयकर विभाग की मंजूरी

**मुंबई।** श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड को आयकर विभाग से टनेज टैक्स स्कीम ) के तहत मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी आयकर अधिनियम, 1961 के अध्याय 12-जी की धारा 115वीपी (1) के अंतर्गत कंपनी के पात्र अंतर्देशीय जहाजों के लिए प्रदान की गई है। कंपनी के अनुसार यह मंजूरी वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) से प्रभावी होगी और वित्त वर्ष 2034-35 तक अथवा लागू नियमों के अनुसार निर्धारित अवधि तक वैध रहेगी। यह लाभ आयकर अधिनियम और संबंधित नियमों के अनुपालन की शर्तों के अधीन लागू रहेगा। कंपनी ने इस मंजूरी को अपनी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। कंपनी का मानना है कि टनेज टैक्स स्कीम से दीर्घकालिक कर नियोजन में स्पष्टता मिलेगी और पात्र शिपिंग परिचालनों में कर दक्षता बढ़ेगी। टनेज टैक्स स्कीम के तहत शिपिंग कंपनियों पर कर का निर्धारण उनके वास्तविक लाभ के बजाय जहाजों की शुद्ध वहन क्षमता के आधार पर किया जाता है। इससे कर देनदारी अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय रहती है, जिससे कंपनियों को बेहतर वित्तीय योजना बनाने में मदद मिलती है।

## जेनएक्सएआई एनालिटिक्स का आईपीओ 5 को खुलेगा

**मुंबई।** जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 5 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ रुपए जुटाने का है। इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपए प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास के लिए पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार 5 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार 9 जून 2026 को बंद होगा।

## 125 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर से सथलोखर सिनर्जीज की ऑर्डर बुक 840 करोड़ के पार

**चेन्नई।** सथलोखर सिनर्जीज ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ रुपए के नए पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इन नए प्रोजेक्ट्स के साथ कंपनी की वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ रुपए हो गई है, जिससे आने वाले समय के लिए मजबूत राजस्व संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। कंपनी को मिले नए ऑर्डर औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से संबंधित हैं, जो उसकी मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं।

सथलोखर सिनर्जीज को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसईजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित शिपकोट पार्क में सिविल और प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 105.37 करोड़ रुपए है। परियोजना के तहत वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा, जिसे मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज-1बी के लिए 22.53 करोड़ रुपए का एक और सिविल एवं पीईबी निर्माण कार्य का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इस कार्य के फरवरी 2027 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। कंपनी ने महाराष्ट्र में भी अपनी उपस्थिति मजबूत करते हुए सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर हासिल किया है।

## होंडा की बिक्री 12 फीसदी बढ़ी, 5.18 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज

**गुरुग्राम।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मई 2026 में कुल 5,18,777 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है। यह आंकड़ा मई 2025 में बेची गई 4,65,109 यूनिट्स की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है, जो कंपनी की मजबूत बाजार उपस्थिति और उपभोक्ता मांग को दर्शाता है। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मई 2026 में घरेलू बाजार में 4,59,611 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की 4,17,250 यूनिट्स की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं, निर्यात के क्षेत्र में भी कंपनी ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। मई 2026 में 59,166 यूनिट्स का निर्यात किया गया, जो मई 2025 के 47,859 यूनिट्स के मुकाबले 24 प्रतिशत अधिक रहा। एचएमएसआई ने अपने विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और देशभर में फैले 7,000 से अधिक टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क के जरिए ग्राहकों तक पहुंच को और मजबूत किया है।

## डाबर रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर पेश

**नई दिल्ली।** आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने प्राकृतिक हाइड्रेशन समाधान रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर को पेश किया है। यह नारियल पानी शरीर को नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करता है और बिना किसी अतिरिक्त चीनी के तैयार किया गया है, जिससे यह एक स्वास्थ्यवर्धक और लो-कैलोरी विकल्प बन जाता है। डाबर इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट-मार्केटिंग मयंक कुमार ने बताया कि रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर गर्मियों का एक परफेक्ट साथी है। यह शरीर को हाइड्रेट रखता है, थकान को दूर करता है और पानी की कमी को पूरा करता है। इसमें किसी प्रकार की अतिरिक्त चीनी नहीं मिलाई गई है, इसलिए इसे बिना किसी फिक्र के लिया जा सकता है। इसके फैट-फ्री और लो-कैलोरी होने के कारण यह बाजार में मौजूद ज्यादा चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा के मुकाबले एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरता है।

## जॉनसंस बेबी ने लांच की नई मिल्क एंड राइस रेंज

**मुंबई।** जॉनसंस बेबी ने अपनी नई मिल्क एंड राइस रेंज लांच की है। लांच की थीम पोषण का पहला स्पर्श अपनी तरह की पहली सांस्कृतिक अवधारणा के माध्यम से, बच्चों की त्वचा को सही आहार देने का दुनिया का पहला अनोखा तरीका है। इस खास मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री और इस रेंज की ब्रांड एम्बेसडर परिणीति चोपड़ा भी शामिल हुईं, जिन्होंने 30 माताओं और उनके बेबी? के साथ मिलकर इस नए स्किनकेयर रिचुअल की शुरूआत का जश्न मनाया।

## रॉयल एनफील्ड ने लॉन्च की नई बुलेट 650

**नई दिल्ली।** मिडसाइज मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड ने भारत में अपनी आइकॉनिक बुलेट का नया 650सीसीवर्जन लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे ओल्ड स्कूल फॉरएवर थीम के साथ पेश किया है, जो क्लासिक डिजाइन और आधुनिक तकनीक का मेल है। नई बुलेट 650 को दो आकर्षक रंगों कैनन ब्लैक और बैटलशिप ब्लू में लांच किया गया है।

बैंक खाते से सीधे जमा और निकासी संभव

## कॉइनबेस ने भारत में शुरू की डायरेक्ट रुपए ट्रांजैक्शन सुविधा

एजेंसी.मुंबई

वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज और एसएंडपी-500 इंडेक्स में शामिल कंपनी कॉइनबेस ने भारतीय ग्राहकों के लिए डायरेक्ट रुपए में लेनदेन की सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। इस नई सुविधा के तहत भारतीय उपयोगकर्ता अब आईएमपीएस के माध्यम से सीधे अपने बैंक खातों से रुपए जमा और निकासी कर सकेंगे, जिसके लिए उन्हें किसी पी2पी नेटवर्क या अन्य बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

कंपनी ने बताया कि वह भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ पंजीकृत है और भारतीय नियामकीय ढांचे का पूर्ण रूप से पालन करती है। नए सिस्टम के जरिए ग्राहकों को अधिक सहज, तेज और सुरक्षित लेनदेन का अनुभव मिलेगा। कॉइनबेस ने भारतीय ग्राहकों के लिए स्थानीय आईएनआर ऑर्डर बुक भी तैयार की हैं, जिससे उन्हें समर्पित लिक्विडिटी का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उपयोगकर्ताओं को कंपनी के वैश्विक एक्सचेंज नेटवर्क तक भी निरंतर पहुंच प्राप्त होगी। प्लेटफॉर्म पर स्पॉट ट्रेडिंग के अलावा प्रमुख क्रिप्टो एसेट्स पर आधारित पर्पेचुअल फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कंपनी के अनुसार, कॉइनबेस एडवांस्ड के माध्यम से अनुभवी ट्रेडर्स को पेशेवर स्तर के टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे। इनमें एपीआई इंटीग्रेशन, वेबसॉकेट ऑर्डर बुक स्ट्रीमिंग, विभिन्न प्रकार के ऑर्डर विकल्प और ट्रेडिंगव्यू चार्टिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

# एनबीबीएल के भारत कनेक्ट पर ई-चालान ने 10 लाख ट्रांजेक्शन पार किए

**भोपाल।** नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की सहायक कंपनी, एनपीसीआई भारत बिलपेलि लिमिटेड (एनबीबीएल) ने भारत कनेक्ट प्लेटफॉर्म पर अपनी ई-चालान सेवा में 10 लाख से अधिक ट्रांज़ैक्शन पूरे होने की घोषणा की। इन ट्रांज़ैक्शन का कुल मूल्य 60 करोड़ रुपये से अधिक है। इस सुविधा के ज़रिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के नागरिक अब अपने ट्रैफिक चालान देख और उनका भुगतान सुरक्षित, आसान और इंटरऑपरेबल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश में इस सेवा का सबसे ज़्यादा उपयोग हुआ है, जहां 7 लाख से अधिक ट्रांज़ैक्शन हुए हैं, इसके बाद तेलंगाना और गुजरात का स्थान है। दिल्ली और हिमाचल प्रदेश हाल ही में प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं।

एनबीबीएल की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, डॉ. नूपुर चतुर्वेदी ने कहाकि यह उपलब्धि लोगों के प्लेटफॉर्म पर भरोसे को दर्शाती है और दिखाती है कि नागरिक डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हम अपने भागीदारों के साथ मिलकर इसे और अधिक राज्यों तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। ई-चालान की सफलता डिजिटल संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह राज्य-स्तरीय ट्रैफिक नियमों को भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे से जोड़ता है।

# सामाजिक उत्थान में अग्रणी महर्षि संस्थान, शिक्षा और वैदिक ज्ञान के प्रसार में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

सच संवाददाता.भोपाल

भारत के महान संत एवं आध्यात्मिक गुरु महर्षि महेश योगी के विचारों और दर्शन को आगे बढ़ाते हुए महर्षि संस्थान देशभर में शिक्षा, स्वास्थ्य, वैदिक ज्ञान और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। महर्षि महेश योगी का जन्म 12 जनवरी 1917 को पांडुका में हुआ था। उन्होंने प्राचीन वैदिक ज्ञान को वैज्ञानिक आधार देकर विश्वभर में भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रचार-प्रसार किया।

महर्षि ने वर्ष 1957 में ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन पद्धति को विश्व समुदाय के समक्ष प्रस्तुत किया। यह एक सरल, स्वाभाविक और प्रयासहीन ध्यान तकनीक है, जिसके नियमित

अभ्यास से मानसिक शांति, रचनात्मकता और समग्र विकास को बढ़ावा मिलता है। उनके द्वारा प्रतिपादित 'महर्षि प्रभाव' सिद्धांत के अनुसार सामूहिक ध्यान से समाज में सकारात्मकता और शांति का वातावरण निर्मित होता है।

महर्षि संस्थान द्वारा देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में 153 महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय संचालित हैं, जिनमें एक लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन विद्यालयों में आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और भावातीत ध्यान का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। भोपाल स्थित महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस में केजी से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की शिक्षा एक ही परिसर में उपलब्ध है। वहीं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान और आधुनिक उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही है।

प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में भोपाल और इंदौर स्थित महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं देश के 14 स्थानों पर संचालित महर्षि वेद-विज्ञान विश्व विद्यापीठों में लगभग 9,000 विद्यार्थियों को वेद एवं कर्मकांड की शिक्षा नि:शुल्क आवास और छात्रवृत्ति के साथ प्रदान की जा रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भोपाल स्थित महर्षि वैदिक हेल्थ सेंटर आयुर्वेद, पंचकर्म, योग, ज्योतिष और वैदिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा भावातीत ध्यान और ध्यान-सिद्धि कार्यक्रमों के लिए विश्वभर में हजारों प्रशिक्षित शिक्षक कार्यरत हैं तथा एक करोड़ से अधिक लोग इन कार्यक्रमों का अभ्यास कर रहे हैं। महर्षि संस्थान द्वारा पिछले 15 वर्षों से 'महामीडिया' पत्रिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है, जिसमें महर्षि के दर्शन, वैदिक ज्ञान और समसामयिक विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं। वर्ष 2008 में महर्षि महेश योगी के ब्रह्मलीन होने के बाद भी उनके विचारों और ज्ञान परंपरा का विस्तार निरंतर जारी है। संस्थान भविष्य में महर्षि किड्स होम, महर्षि ज्ञान स्तंभ, नए महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों और सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना जैसी योजनाओं पर कार्य कर रहा है, ताकि शिक्षा, संस्कृति और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में समाज को और अधिक लाभ मिल सके।

# मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की कहानियों पर नई गाइड जारी

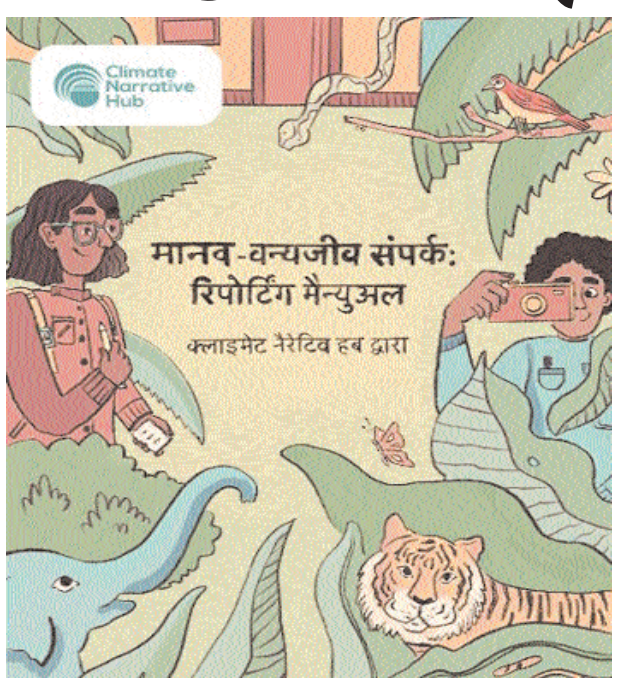


सच संवाददाता ॥ भोपाल।

क्लाइमेट नैरेटिव हब (सीएनएच) ने कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नई गाइड जारी की है, जो मानव-वन्यजीव संघर्ष से परे सह-अस्तित्व की कहानियों को सामने लाने के लिए प्रेरित करती है। यह गाइड उन रिपोर्टर्स के लिए है जो वन्यजीवों और इंसानों के बीच होने वाले संघर्ष को कवर करते हैं, लेकिन अक्सर सिर्फ हमलों या मौतों जैसी घटनाओं पर ध्यान केंद्रित कर बैठते हैं।

गाइड तैयार करने में नेटवर्क फॉर कंजर्विंग सेंट्रल इंडिया, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी-इंडिया, को-एक्सिस्टेंस कंसोर्टियम, द कॉर्बेट फाउंडेशन, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और द नेचर कंजर्वेंसी-इंडिया जैसे कई संगठनों ने सहयोग किया। इसमें रिपोर्टर्स को यह समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि जानवर किसी क्षेत्र में क्यों आते हैं, उनके आवास, जलवायु परिवर्तन या भोजन की उपलब्धता जैसे कारणों पर ध्यान देना जरूरी है। गाइड सह-अस्तित्व के पहलुओं पर भी जोर देती है कैसे समुदाय अपने व्यवहार में बदलाव लाते हैं, जोखिम को कम करने के उपाय अपनाते हैं और वन्यजीवों के साथ सुरक्षित सह-जीवन सुनिश्चित करते हैं। यह पत्रकारों और कहानीकारों को स्थानीय, आदिवासी और जंगल समुदायों की आवाज सुनने और उनके अनुभवों को शामिल करने के लिए प्रेरित करती है।

विशाखा जॉर्ज, दसराएकी कम्युनिकेशन कंसल्टेंट, ने कहा,कि यदि इन कहानियों को संवेदनशील और सोच-समझकर पेश किया जाए, तो यह लोगों को प्रकृति से जोड़ सकती हैं और संवाद को इस दिशा में ले जा सकती है कि हम मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। गाइड में सैंपल प्रश्नावली, विशेषज्ञों की सूची और भरोसेमंद डेटा स्रोतों का संग्रह भी शामिल है, जिससे पत्रकार अधिक तथ्य-आधारित और संतुलित रिपोर्टिंग कर सकें। सीएनएच, दसराऔर मोमेंटम शिफ्ट्स की पहल है और यह भारत में क्लाइमेट चेंज को समझाने और कम्युनिकेट करने के तरीके बदलने का काम करता है।

# आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, सिकल सेल एनीमिया जागरूकता पर जोर

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर, कुलगुरु प्रो. विजय अग्रवाल, प्रबंध निदेशक डॉ. बी.एन. सिंह, कुलसचिव डॉ. सत्येन्द्र सिंह ठाकुर तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील पाटिल सहित संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय द्वारा पिछले 10 वर्षों से सिकल सेल एनीमिया के प्रति जनजागरूकता और स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर बताया गया कि विश्वविद्यालय के 225 एनसीसी कैडेट्स को सिकल सेल एनीमिया मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। ये कैडेट्स समाज में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य संबंधी संदेश पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में उनके कार्यों की समीक्षा भी की गई। महामहिम राज्यपाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय से संबद्ध आयुर्वेद एवं मेडिकल साइंसेज, होम्योपैथी मेडिकल साइंसेज, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता, जनसेवा और छात्र सहभागिता से जुड़े विभिन्न आयोजन भी किए गए। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियानों को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

# आरएनटीयू में होराइजन 2026 के तहत विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में हाल ही में होराइजन 2026 के अंतर्गत विभिन्न विभागों में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भावभीनी विदाई समारोहों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लिबरल आर्ट्स तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सत्र 2026 बैच के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं जूनियर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए यादगार पलों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

### सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भावनात्मक पलों ने बनाया समारोह को यादगार

समारोह में जूनियर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समूह नृत्य, गीत, मिमिक्री, मनोरंजक एक्ट्स और भावनात्मक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उल्लास और संवेदनाओं से भर दिया। कार्यक्रम की सबसे विशेष प्रस्तुति तब देखने को मिली जब विद्यार्थियों ने अपने प्रिय मेंटर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश पटेल को समर्पित कविता पाठ और गीत प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा डॉ. योगेश पटेल को हाथ से तैयार किया गया एक विशेष पेंसिल स्केच भेंट किया गया, जिसने समारोह को और अधिक भावुक बना दिया। वहीं बीते तीन वर्षों की कक्षाओं, मीडिया प्रैक्टिकल्स, स्टूडियो गतिविधियों और विश्वविद्यालयीन आयोजनों पर आधारित विशेष वीडियो प्रस्तुति ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की पुरानी यादों को ताजा कर दिया।

### विश्वविद्यालय व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला : डॉ. रुचि

फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लिबरल आर्ट्स की डीन डॉ. रुचि मिश्रा तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा,विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की एक सशक्त प्रयोगशाला है। यहां से निकलने वाले विद्यार्थी अपने ज्ञान, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज में नई दिशा देने का कार्य करें।

### रचनात्मकता और अनुशासन के लिए याद रखा जाएगा यह बैच : डॉ. अंजली

विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली तिवारी ने कहा,सत्र 2026 का यह बैच अपनी रचनात्मकता, अनुशासन, टीम भावना और हर गतिविधि में सक्रिय सहभागिता के लिए सदैव याद रखा जाएगा। विभाग को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है।

### विद्यार्थियों का स्नेह ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि : डॉ. योगेश पटेल

विद्यार्थियों के मेंटर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश पटेल ने कहा,इन विद्यार्थियों के साथ बिताया गया यह सफर केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव में परिवर्तित हो गया।

# डॉ. मोरेपेन ग्रुप वीआईटी के 17,000 छात्रों को उपलब्ध कराएगा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

सच संवाददाता.भोपाल

हेल्थकेयर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डॉ. मोरेपेन ग्रुप और वेल्होर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल ने एक महत्वपूर्ण समझौता कर कैंपस में एक इंटीग्रेटेड आधुनिक हेल्थ सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह सुविधा वीआईटी भोपाल के 17,000 से अधिक छात्रों, फैकल्टी और स्टाफ को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है।

इस समझौते पर डॉ. जी. विश्वनाथन, फाउंडर एवं चांसलर, वीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर वीआईटी भोपाल के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. शंकर विश्वनाथन सहित डॉ. मोरेपेन ग्रुप की वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी मौजूद रही।

### कैंपस में मिलेंगी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं

इस हेल्थ सेंटर के माध्यम से कैंपस में ही छात्रों और स्टाफ को कई सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें सामान्य चिकित्सकीय परामर्श, डे-केयर सेवाएं, नॉन-क्रिटिकल इमरजेंसी सपोर्ट, पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक्स, फार्मेसी सेवाएं, प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप और वेलनेस प्रोग्राम शामिल हैं। इसके साथ ही छात्रों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता और लाइफस्टाइल से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

### स्वास्थ्य सेवाओं को कैंपस तक पहुंचाने की पहल

डॉ. जी. विश्वनाथन ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल छात्रों, शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगी। उन्होंने बताया कि वीआईटी भोपाल में देशभर से 17,000 से अधिक छात्र अध्ययन करते हैं और उनके स्वास्थ्य की देखभाल अब और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। डॉ. मोरेपेन होम के फाउंडर अभिषेक भयाना ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक उनके स्थान पर ही पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यह हेल्थ सेंटर देशभर में विश्वविद्यालयों और संस्थानों में ऐसे मॉडल विस्तार की दिशा में पहला कदम है।

### डायग्नोस्टिक्स और प्रिवेंटिव हेल्थ पर फोकस

डॉ. मोरेपेन ग्रुप के अमृत रवि ने कहा कि कैंपस में डायग्नोस्टिक्स और हेल्थ सेवाओं की उपलब्धता से बीमारियों की समय रहते पहचान और रोकथाम संभव होगी, जिससे एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा।

## सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

### आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

### नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: सक्षमधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3. cloud-front.net/static/images/scho-media/nation-al-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

### नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरण: नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंड: आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभ: रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथि: 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t055l3. cloud-front.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

### न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026

- विवरण: न्यूटेनिक्स नेक्स्टजेन इन्नोवेटर्स स्कॉलरशिप 2026, निर्दिष्ट विषयों एवं संस्थानों में पूर्वस्नातक छात्रों को न्यूटेनिक्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह वैश्विक पहल कंप्यूटर साइंस या सम्बन्धित क्षेत्रों में डिग्री प्राप्त कर रहे तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के स्नातक छात्रों को सहयोग एवं प्रेरणा प्रदान करती है।
- मानदंड: आवेदन भारतीय निवासियों के लिए जारी है, जो नवाचार, समावेशन एवं निरंतर सीखने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्हें प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में एआई की भूमिका के प्रति जिज्ञासा प्रदर्शित करना अनिवार्य है। आवेदक को निर्दिष्ट विषयों में पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना एवं तृतीय या चतुर्थ वर्ष में प्रवेश करना आवश्यक है।
- इनाम/लाभ: रुपए 2,500 की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथि: 31-05-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NINS1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloud-front.net/ static/images/scho-media/nutanix-nextgen-innovators-scholar-ship-20261773726744.png

### यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27

- विवरण: यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम इंडिया चांसलर्स स्कॉलरशिप्स 2026-27, बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारत अधिवासित (डोमिसाइल्ड) उन छात्रों को प्रदान की जा रही है, जिन्होंने विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु आवेदन किया है।
- मानदंड: आवेदन उन सभी भारतीय छात्रों के लिए जारी है, जिन्हें सितंबर 2026 सत्र हेतु बर्मिंघम विश्वविद्यालय के वूर्के कैंपस में पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त हो। आवेदकों को अपने प्रस्ताव में निर्दिष्ट शैक्षणिक शर्तों को पूर्ण करना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए तथा उनमें छात्रवृत्ति द्वारा कवर न होने वाले शेष शुल्क का भुगतान करने की क्षमता होनी आवश्यक है। उन्हें संबंधित समय-सीमा तक जमा राशि और कुल शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य है तथा रहने के खर्च और अन्य संबंधित खर्चों हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: शिक्षण शुल्क हेतु रुपए 10,000 की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथि: 31-05-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/UCBD2

# खाद वितरण में गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

सच संवाददाता ॥ बैतूल।

जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि आमजन को वास्तविक राहत और समाधान प्राप्त हो सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में सभी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर बिजली योजना का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा योजना के अंतर्गत सोलर पैनल से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए जल संसाधन, शिक्षा एवं लोक निर्माण विभाग को शिकायतों के निराकरण में विशेष प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य लेकर मिशन मोड में कार्य करें तथा कोई भी शिकायत नॉन-अटेंडेड न रहे। समयसीमा और जनसुनवाई के प्रकरणों में पत्राचार करना समाधान नहीं माना जाएगा, बल्कि संबंधित आवेदक को विभागीय समन्वय के माध्यम से वास्तविक लाभ पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने खनिज एवं राजस्व विभाग को अवैध माइनिंग के विरुद्ध संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए एसडीएम को निर्देशित किया गया कि किसानों को निर्धारित दर पर ही खाद उपलब्ध कराया जाए तथा किसी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

बैठक में सभी एसडीएम से रोस्टर अनुसार किए गए भ्रमण एवं निरीक्षण की जानकारी लेते हुए कलेक्टर डॉ सोनवणे ने कहा कि निरीक्षण केवल औपचारिकता न बने, बल्कि उसका सकारात्मक परिणाम क्षेत्र में दिखाई देना चाहिए। सभी विभागीय अधिकारियों को अपने अधीनस्थों से निरंतर फॉलोअप लेने तथा जनहित के कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखने के निर्देश दिए गए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत समयसीमा से बाहर लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही समयसीमा, जनसुनवाई एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जर्जर स्कूल भवनों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अत्यधिक जर्जर भवनों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत अथवा डिस्मेंटल की कार्रवाई की जाए। डीपीसी, शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग को स्कूल भवनों की मरम्मत, निर्माण एवं शिफ्टिंग के लिए व्यवस्थित कार्ययोजना बनाने तथा एसडीएम को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि विभाग स्तर पर नियमित फॉलोअप लेकर सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

अधिकार प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआरआर) के महत्व पर विस्तार से चर्चा की तथा जिले में पायलट के रूप में कुछ ग्रामों में प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में पेंशन प्रकरणों, पीएम राहत एवं ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

## साइकिल दिवस पर कल निकलेगी रैली

**सिलवानी।** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 3 जून को अंतरराष्ट्रीय साइकिल दिवस के अवसर पर सिलवानी में साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत, रायसेन द्वारा किया जा रहा है, जबकि सत्यार्थ वेलफेयर फाउंडेशन, सिलवानी इसके सहयोगी के रूप में सहभागिता निभाएगा। आयोजकों के अनुसार साइकिल रैली बुधवार सुबह 7:30 बजे संदीपनी विद्यालय परिसर से प्रारंभ होगी। रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना तथा साइकिल चलाने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। रैली में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को भारत सरकार की ओर से प्रमाण.पत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोजकों ने नगर के युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों से अपनी.अपनी साइकिल लेकर अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होने की अपील की है।

## सच संक्षेप

### ज्ञापन सौंपा

**लटेरी।** लटेरी में लोकल सर्वेयर तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। सर्वेयरों ने बताया कि पिछले दिनों क्षेत्र के सभी सर्वेयरों को एक साथ हटा दिया गया, जिससे आक्रोश फैल गया है। उन्हें गिरदावरी कार्य के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन अचानक हटाने से रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। सर्वेयरों ने मांग की कि उन्हें फिर से काम पर रखा जाए और उनकी आईडी सक्रिय की जाए। ज्ञापन देने के लिए उन्हें करीब 3 घंटे तक कार्यालय में इंतजार करना पड़ा। सर्वेयरों का आरोप है कि इस दौरान जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे, जिससे परेशानी हुई।

### खिलाड़ियों ने जीते पदक

**शहडोल।** सागर में आयोजित राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में स्कूल शिक्षा विभाग के शहडोल संभाग से 18 खिलाडी छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें 4 स्वर्ण 2, रजत एवं 06 कास्य पदक जीतकर जिला एवं संभाग का नाम रोशन किया। कूडो खेल प्रतियोगिता के सहभागी रहें खिलाड़ियो को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा प्राप्त पदक विजेता खिलाडियो का मेरिट खेल प्रमाण पत्र संयुक्त संचालक शिक्षा उमेश कुमार धुर्वे द्वारा कोच को प्रदान किया। सहायक संचालक खेल रईस अहमद ने बताया कि पदक विजेता खिलाडियो को कुडो नेशनल खिलाड़ी सुश्री श्रेया गुप्ता ने कोचिंग देकर उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप तैयार करने मे योगदान रहा, खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजयओ में सर्वश्री सुश्री बन्दना, अपूर्वा, चनंब ,अनुराज रजत विजेता अरमान, रुद्र प्रगिति कास्य पदक अबीगेल, अनुष्का, प्रगति, दिव्यानी, आदर्की एवं कर्तव्य आदि खिलाडी शामिल रहें।

### एसडीएम से की भेंट

**सिलवानी ।** नगर में नवपदस्थ अनुभागीय अधिकारी (राजस्व) अलका सिंह के पदभार ग्रहण करने पर प्रेस क्लब सिलवानी के पदाधिकारियों ने उनसे सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयो पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रेस क्लब संरक्षक विजय जैन, अध्यक्ष गजेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष फैज खान, सचिव राजकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रकीब खान एवं महासचिव आशीष सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रेस क्लब प्रतिनिधि मंडल ने एसडीएम का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। एसडीएम ने प्रेस क्लब के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन और मीडिया समाज के प्रति अपनी-अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि सिलवानी क्षेत्र में पारदर्शी, संवेदनशील एवं जनहितकारी प्रशासन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो।

### सेवानिवृत्ति पर विदाई

**सिलवानी।** कृषि उपज मंडी सिलवानी में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक हेमेंद्र कुमार घूरे के शासकीय सेवा से सेवा निवृत होने पर कार्यालय परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। यहां पर अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यापारियो ने फूल मालाओं से स्वागत कर उनके शासकीय सेवा के दौरान किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर मंडी सचिव भाईजी प्रसाद कीर, लेखापाल विद्याभूषण तिवारी, मंडी निरीक्षक मनमोहन कोली, उप निरीक्षक देवी सिंह रघुवंशी सहित कर्मचारी, व्यापारी आदि मौजूद रहें।

### प्रशिक्षण शिविर का समापन

**बनखेड़ी।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का समापन रविवार को संत रावतपुरा सरकार इंटरनेशनल स्कूल में हुआ। ब्लॉक खेल समन्वयक देवेंद्र उरहा ने बताया कि 1 मई से 31 मई तक चले शिविर में विकासखंड बनखेड़ी के 212 खिलाड़ियों ने फुटबॉल, खो-खो एवं एथलेटिक्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी विजय सनश ने खिलाड़ियों को टी-शर्ट किट वितरित की। खेल संघ अध्यक्ष सतीश धीरू तिवारी, संस्था संचालक विवेक पलिया एवं अन्य सहयोगियों द्वारा खिलाड़ियों के लिए स्वल्पाहार एवं आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की गई। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में एसआई मनमोहन ठाकुर, मंडल अध्यक्ष छोटे पटेल, पार्षद नीतू पांडे सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। मंच संचालन राजकुमार पाली एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य सुमित मिश्रा ने किया।

## जल्द होगा अस्पताल भवन का लोकार्पण

**सिलवानी।** नगरवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो जून माह के द्वितीय पखवाड़े में सिलवानी सिविल अस्पताल का संचालन नव निर्मित भवन से प्रारंभ हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्थानीय अस्पताल प्रबंधन को नए भवन में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा सामग्री स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नया सिविल अस्पताल भवन कई माह पहले ही बनकर तैयार हो चुका है। भवन निर्माण पूरा होने के बावजूद विभिन्न प्रशासनिक और तकनीकी कारणों से इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया था। इसके चलते क्षेत्र की जनता को पुराने और जर्जर भवन में ही स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करनी पड़ रही थीं। अब विभागीय स्तर पर मिली सक्रियता के बाद नए भवन में अस्पताल स्थानांतरित होने की उम्मीद मजबूत हो गई है। वर्तमान में सिविल अस्पताल लगभग 25 वर्ष पुराने भवन में संचालित हो रहा है। समय के साथ भवन की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

## शपथ ग्रहण समारोह

**करैरा।** चौरासी क्षेत्रीय सभा, वरिष्ठ संघ, महिला सभा, नवयुवक मंडल, गहोई समाज सभा,महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह ताज विलास पैलेस मे मंगलवार दोपहर 3 बजे से सम्पन्न होगा।

कार्यक्रम के मुख्य आतिथि करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक, पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी, अति विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर सिंह रावत, जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, गहोई समाज के राजनैतिक गौरव अध्यक्ष गौ सेवक आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता, उपाध्यक्ष ग्वालियर विकास प्राधिकरण डा सुधीर पहारिया, जिला अध्यक्ष भाजपा शहडोल श्रीमती अमिता चपरा मौजूद रहेंगी।

## तपिश को बारिश ने किया ठंडा

**शाजापुर।** एक माह से नवतपा की तपिश से झुलस रहे नगरवासियों को सोमवार को भीषण गर्मी से राहत मिली। इस दिन दोपहर बाद चली तेज आंधी और उसके साथ हुई करीब डेढ़ घंटे की बारिश ने नवतपा की तपिश को ठंडा कर दिया। मौसम विभाग की माने तो आगामी 5 जून तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और दोपहर बाद बारिश की संभावना बनी हुई है।

इसके पूर्व 6 मई से नगर का तापमान लगातार 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा रहा था। तो रात का तापमान भी 30 डिग्री के आंकड़े तक पहुंच चुका था। जिससे लोगों का बुरा हाल हो रहा था और नगरवासी आसमान की ओर ताकते हुए राहत बरसने का इंतजार कर रहे थे। जिनकी उम्मीद रविवार शाम को पूरी हुई और आसमान पर छाए बादल बरस पड़े। लेकिन इस मामूली बारिश ने राहत के बजाए संकट खड़ा कर दिया और लोगों का उमस से बुरा हाल होने लगा। सोमवार सुबह कुछ देर के लिए आसमान पर बादल छाए जिसके कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया। लेकिन दोपहर बाद मौसम में फिर बदलाव हुआ और आसमान पर काले व घने बादल छा गए। जिसके बाद तेज आंधी चलने लगी और कुछ देर बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई जो डेढ़ घंटे तक जारी रही। ठंडी हवाओं के साथ हुई इस बारिश से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि बारिश का दौर जारी रहेगा और सोमवार रात को भी इसी तरह की बारिश की संभावना है और ऐसा मौसम आगामी 5 जून तक बना रहेगा। अप्रैल माह से ही नगरवासी भीषण गर्मी की चपेट में हैं।

## कांग्रेस ने गांधीवादी तरीके से जताया विरोध

**बनखेड़ी।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बनखेड़ी में रैली निकाल कर मस्जिद चौराहा पर गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राजनीतिक मर्यादाओं के सम्मान की बात कही।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा एवं राजनीतिक शिष्टाचार का पालन किया जाना आवश्यक है।

## नपाध्यक्ष ने किया सड़क निर्माण का भूमिपूजन

**मंडीदीप।** औद्योगिक शहर के वार्ड क्रमांक 07 में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए महादेव मंदिर से पूरन के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य का विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस निर्माण कार्य की अनुमानित लागत ?4,50,262 (चार लाख पचास हजार दो सौ बासठ रुपये) है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा प्राप्त होगी तथा बरसात के दौरान जलजमाव की समस्या से भी राहत मिलेगी। नगर के विकास एवं नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम में नपा अध्यक्षा प्रियंका अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल उपाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रेमशंकर साहू, वार्ड क्रमांक 07 के तेज तर्रार पार्षद दौलतराम इक्के, वार्ड क्रमांक 21 के सरल स्वभाव मिलनसार पार्षद प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह, भाजपा की तेजतर्रा नेत्री पूजा मिश्रा, युवा नेता अंकित चौरे, युवा नेता विश्वकर्मा, सहित अनेक मातृशक्ति युवा शक्ति नगर के गणमान्य नागरिक एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

## साहित्यिक अनुष्ठान संपन्न

**शिवपुरी।** गत दिवस मध्यप्रदेश लेखक संघ एवं श्री रामकिशन सिंहल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यिक अनुष्ठान का आयोजन दुर्गामठ में किया गया जिसमें हिंदी पत्रकारिता के दो सौ साल पूरे होने के अवसर पर नई गजल के संपादक एवं लेखक डॉक्टर महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि आरंभिक दौर में साहित्यकार ही पत्रकारिता किया करते थे और वह सामाजिक परिस्थितियों का तथ्यपरक विश्लेषण एवं निष्पक्ष समाचार देने का प्रयास करते थे, सही सूचनाओं को आम जन तक पहुंचाना उनकी नैतिक जिम्मेदारी थी। सन 1826 से प्रारंभ पत्रकारिता के विभिन्न युगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने नई टेक्नोलॉजी के प्रदुभाव और सोशल मीडिया के बढ़ते चलन से बदली हुई आज की पत्रकारिता की दिशा और दशा का भी संकेत किया। आरंभ सुविख्यात शायर डा. बशीर बद्र के निधन का उल्लेख किया।

## अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

**शिवपुरी।** कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग द्वारा वन, राजस्व, पुलिस एवं परिवहन विभाग के समन्वय से सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शिवपुरी तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरी स्थित फर्शी पत्थर खदानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया।

### अवैध उत्खनन पाए जाने पर खदान निरस्त

संयुक्त जांच के दौरान ग्राम डोंगरी के सर्वे क्रमांक 236, रकबा 1.10 हेक्टेयर क्षेत्र में संचालित फर्शी पत्थर खदान में जांच में पट्टाधारी नरेश सिंह गुर्जर पुत्र हरकंठ सिंह गुर्जर निवासी जाग्रती नगर लक्ष्मीगंज ग्वालियर द्वारा स्वीकृत क्षेत्र के बाहर खनन कार्य किया जाना पाया गया। प्रकरण में नियमानुसार अवैध उत्खनन का मामला दर्ज कर अर्थदंड प्रस्तावित किया गया था, जो न्यायालय कलेक्टर में विचाराधीन है। पट्टा शर्तों के उल्लंघन एवं अवैध उत्खनन के तथ्य पाए जाने पर संबंधित पट्टाधारी को सुनवाई एवं पुनः जांच का अवसर प्रदान किया गया। जांच उपरांत कलेक्टर द्वारा पारित आदेश के अनुसार खदान की खनन गतिविधियां तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित करते हुए खदान का पट्टा निरस्त कर दिया गया है।

दो खदानों पर लगाया गया अर्थदंड बिहारी लाल गुप्ता पुत्र सुखनंदन गुप्ता निवासी ग्राम भौंती के नाम स्वीकृत फर्शी पत्थर उत्खनिपट्टा ग्राम डोंगरी स्थित सर्वे क्रमांक 212, रकबा 2.00 हेक्टेयर क्षेत्र की फर्शी पत्थर खदान के निरीक्षण में भी पट्टा शर्तों का उल्लंघन पाया गया। कारण बताओ नोटिस एवं सुनवाई के उपरांत पट्टाधारी द्वारा अनियमितताओं का पूर्ण निराकरण नहीं किए जाने पर म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के तहत चेतावनी जारी करते हुए 2.97 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित कर वसूल किया गया। इसी प्रकार बाबा कट स्टोन प्रो. श्रीमती विजय लक्ष्मी उपाध्याय निवासी विवेकानंद कॉलोनी शिवपुरी जिला शिवपुरी के पक्ष मे ग्राम डोंगरी के सर्वे क्रमांक 217 एवं 219, रकबा 1.00 हेक्टेयर क्षेत्र में संचालित फर्शी पत्थर खदान के निरीक्षण में भी पट्टा शर्तों का उल्लंघन पाया गया।

## योग प्रशिक्षण

**बैतूल।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, भारत भारती जामठी द्वारा संचालित 100 दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण अभियान के तहत सोमवार को बैतूल पुलिस ग्राउंड, गंज क्षेत्र सहित विभिन्न इलाकों में योग प्रशिक्षण दिया गया। महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. हिमांशु मालवीय एवं इंटरनी वैभव तथा चैतन्य ने लोगों को योगाभ्यास कराया और नियमित योग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। 21 जून तक जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में यह अभियान जारी रहेगा। यह विशेष कार्यक्रम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है।

## जल संरक्षण का दिया संदेश

**शिवपुरी।** सुशासन की पहल रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन नगरेला खनियाधाना के द्वारा ग्राम पंचायत नगरेला में स्थित गौशाला एवं पशुपालन विभाग की ओर से गंगाजल संवर्धन अभियान की अंतर्गत जल संरक्षण का दिया संदेश दिया इस कार्यक्रम में भीषण गर्मी को देखकर पशु पक्षियोंको पानी के विकल्प की पूर्ति लिए पक्षियों को जल के स्कोरे भर कर पक्षीयो को पीने हेतु पानी की सुविधा हेतु सकोरे लगाए और पशु मूक प्राणियों को स्वच्छ पेय जल हेतु विशेष कार्य किया गया। इस अभियान के तहत पशु पालन विभाग से डॉ.लोकेंद्र सिंह यादव के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की मार्गदर्शन में डॉ.श्रीमती रीना देवी जिला ब्लॉक समन्यव्यक और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक कोर्टिनेटर देवी शंकर शर्मा और संस्था रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन नगरेंला के डायरेक्टर डॉ.अमर सिंह यादव द्वारा गौशाला की गौमाताओ का प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किया, जहाँ पर गौवंश पशुओ के आवासीय व्यवस्था में पेयजल साफ सफाई का कार्य किया गया तथा गौशाला के गौवंश पशुओं एकत्रित किया गया, जहां उनका एफ.एम.डी. टीका करण कराया गया और पक्षियों को भी पानी मिल सके, इसके लिए भीषण गर्मी से बचाने हेतु इस अभियान में शासन का सहयोग मिला, जिससे समाज सेवियों ने एवं नवाकुर सखियों नें गौ माता का पूजन किया और सभी बहिनो ने कलश यात्रा निकल कर सभी जल संरक्षण का कार्य संपन्न किया। आभार बलराम यादव ने व्यक्त करते हुए शपथ दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

## नर्मदा पार्वती लिंक परियोजना से गांव गांव पानी पहुँचा

**बाबू पांचाल आष्टा।** सीहोर जिले के रामपुरा से पार्वती नदी निकली यहां पर उद्गम स्थल है यहां से पार्वती नदी आष्टा सीहोर होते हुए सीहोर जिला ही नहीं राजगढ़ ब्यावरा सहित पार्वती नदी राजस्थान में बारां जिले के करियाहाट (या छतरपुरा) गांव के पास से प्रवेश करती है, जो मध्य प्रदेश की सीहोर जिले से निकलकर आती है और बारां व कोटा जिलों से बहते हुए सवाई माधोपुर जिले के पाली गांव के पास चंबल नदी में मिल जाती है।

बता दे कि पार्वती नदी मध्य प्रदेश की नदी है, जिसे %पारा% नाम से भी जाना जाता है। यह नदी विन्ध्याचल की पश्चिमी श्रेणियों में घने जंगल से सिद्दीकगंज ग्राम के पास रामपुरा डैम से निकल कर अन्य जिलों से मुरैना प्रदेश में बहती हुई चंबल नदी में मिल जाती है दोनो नदिया आगे जाकर यमुना नदी में मिल जाती है। मध्य प्रदेश की पार्वती नदी पार्वती नदी पर जहां सीहोर जिले में रामपुरा डैम बनाया गया है जिससे आष्टा शहर की प्यास बुझती है साथ ही साथ ही सीहोर में भी नदी पर डैम बना हुआ है इसके अलावा सुठालिया परियोजना=1375 करोड़ रुपए से पार्वती नदी पर बैराज गांव में बनाया जा रहा है।

## नपा ने की आवारा कुत्तों की धरपकड़

**शिवपुरी।** शहर की सड़कों पर राहगीरों और बच्चों के लिए खौफ का सबब बने आवारा कुत्तों के खिलाफ नगर पालिका परिषद ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। नागरिकों से मिल रही लगातार शिकायतों और बढ़ते खतरों को देखते हुए सीएमओ इशांक धाकड़ के मार्गदर्शन में सोमवार को शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों के आतंक को खत्म कर जन सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

नगर पालिका की टीम ने सुबह से ही शहर के मीट मार्केट, सुभाष चौक, पुरानी शिवपुरी (नीलगर चौराहा), बड़ा बाजार, लकी गार्डन, जवाहर कॉलोनी, महल कॉलोनी और नवाब साहब रोड पर मोर्चा संभाला। इस दौरान कई खूंखार कुत्तों को पकड़ा गया। हालांकि, अभियान के दौरान एक तकनीकी समस्या भी सामने आई, पुरानी जाली क्षतिग्रस्त होने के कारण कुछ कुत्ते पकड़ में आने के बाद भाग निकले। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ ने तत्काल नई जाली की व्यवस्था और सुरक्षा मानकों को दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शहर सुरक्षित नहीं होता, यह अभियान रुकने वाला नहीं है। नगर पालिका का एक्शन केवल कुत्तों तक सीमित नहीं है, वर्षा काल को देखते हुए जल भराव की समस्या से निपटने के लिए रविवार की रात कमलागंज पुल के पास नाले की सघन सफाई की गई और कचरे को ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा गया। इतना ही नहीं, शहर को स्वच्छता में नंबर-1 बनाने के लिए नाइट क्लीनिंग ड्राइव भी शुरू की गई है। जब शहर सोता है, तब नपा के स्वच्छता वीर सड़कों और बाजारों को चकाचक कर रहे हैं ताकि सुबह नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने शहरवासियों से अपील की है कि वह स्वच्छता को एक सामूहिक जिम्मेदारी मानें और प्रशासन के इन प्रयासों में सहयोग करें।

## रेडक्रास सेवा दिवस मनाया

**शिवपुरी।** पीड़ित मानवता के प्रति सेवा का भाव रखते हुए कार्यरत भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला इकाई शिवपुरी के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 जून रेडक्रास सेवा दिवस मनाया गया। यह सेवा दिवस स्थानीय अस्पताल चौराहा स्थित मंगलम् वृद्धाश्रम एवं इसी परिसर के पीछे संचालित बालाश्रम पहुंचकर मनाया गया जहां सेवा कार्य के रूप में वृद्धजनों को फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।

जानकारी देते हुए रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन राकेश शर्मा व सचिव विशाल भसीन के द्वारा संयुक्त रूप से बताया कि संस्था रेडक्रास सोसायटी के द्वारा संस्था के सेवा कार्यों के रूप में प्रतिवर्ष 01 जून को रेडक्रॉस सेवा दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में संस्था के द्वारा यह सेवा कार्य वृद्धजनों एवं बालाश्रम में अध्ययनरत व निवासरत बच्चों के बीच पहुंचकर मनाया गया। यहां सभी वृद्धजनों के पास पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम ली और उनके जीवन अनुभवों को साझा किया गया।

## बाबूलाल गौर की जयंती पर मुख्यमंत्री, मंत्रीगण ने दी श्रद्धांजलि

**भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर के जन्म दिवस के अवसर पर विधानसभा भवन के सेंट्रल हॉल में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कृष्णा गौर, , कैलाश विजयवर्गी, नेता प्रतिपक्ष, विधायकगण रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी सहित विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल होंगे। कार्यक्रम में स्वर्गीय बाबूलाल गौर के सार्वजनिक जीवन, उनके योगदान और जनसेवा से जुड़े कार्यों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी मौजूद रहे।**

### प्रदेश में चरणबद्ध रूप से शुरू होगी परिवहन सेवा

## रक्षाबंधन पर बहनें करेंगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन की बसों में सफरः मोहन

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य परिवहन सामान्य जन के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राज्य सरकार न सिर्फ प्रदेश में बेहतर और आधुनिक सड़कों का तेजी से निर्माण कर रही है, बल्कि जल्द ही नागरिकों को राज्य परिवहन की विशेष सुविधा भी देने जा रही है । राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से मुख्यमंत्री

सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की ओर बढ़ रही है। इस बार रक्षाबंधन पर हमारी बहनें परिवहन विभाग की बसों में सफर करें, इसके लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने यह जानकारी विधानसभा में मीडिया से चर्चा में दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की भोगौलिक परिस्थिति के कारण शहरों के बीच दूरी अधिक है। बसें उपलब्ध नहीं होने पर लोगों को मजबूरी में लोडिंग गाड़ियों में सफर करना पड़ता है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा इन सभी समस्याओं को खत्म करेगी। उम्मीद है कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों और पड़ोसी राज्यों के साथ मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास सुगम परिवहन सेवा के रूप में देखने को मिलेगा। प्रदेश में जनसुविधाओं के विस्तार और प्रदेश के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता और संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

## ट्विशा शर्मा मौत मामला ॥ रिमांड खत्म, पति समर्थ और सास गिरिबाला ने आरोपों से किया इनकार

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी का बहुचर्चित और हाईप्रोफाइल त्विषा शर्मा दहेज मृत्यु मामले में आज का दिन जांच और कानूनी प्रक्रिया के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में आरोपी बनाई गई सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और त्विषा शर्मा के पति एवं अधिवक्ता समर्थ सिंह की पांच दिन की सीबीआई रिमांड आज दोपहर दो बजे समाप्त हो रही है। सीबीआई दोनों आरोपियों को विशेष अदालत में पेश कर तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मांगने की तैयारी कर रही है। वहीं आरोपी पक्ष के वकील इस बार रिमांड बढ़ाने का पुरजोर विरोध करने की रणनीति बना चुके हैं।

सीबीआई पिछले पांच दिनों से गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी का मानना है कि मामले के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर अभी और पूछताछ की आवश्यकता है। इसी कारण सीबीआई दोनों आरोपियों को भोपाल की विशेष अदालत में पेश कर तीन दिन की अतिरिक्त रिमांड मांग सकती है। हालांकि बचाव पक्ष भी इस बार पूरी तैयारी के साथ अदालत में उतरेगा और रिमांड बढ़ाने का विरोध करेगा।

सीबीआई द्वारा मामले की गहन जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के बयानों का मिलान किया जा रहा है। बीते दिन घटना स्थल का रीक्रिएशन भी कराया गया, जिसमें पूरे घटनाक्रम को दोबारा समझने का प्रयास किया गया। जांच एजेंसी अब जब्त किए गए सभी साक्ष्यों का फोरेंसिक परीक्षण करा रही है, जिससे मामले की दिशा और स्पष्ट हो सके। इसी बीच जांच में एक बड़ी लापरवाही भी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, घटनास्थल से बरामद लिगेचर बेल्ट, जो महत्वपूर्ण साक्ष्य मानी जा रही है, उसे समय पर फोरेंसिक साइंस लैब में जमा नहीं कराया गया। आरोप है कि संबंधित सब इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा ने इसे करीब दो दिन तक अपनी कार में रखा, जिसके बाद हंगामे के बाद उसे एफएसएल भेजा गया। इस गंभीर लापरवाही के बाद सीबीआई अब संबंधित अधिकारी को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने की तैयारी में है। साथ ही केस से जुड़े अन्य लोगों को भी तलब किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

परिजनों ने शुरुआत से ही मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई थी। उनका कहना है कि यदि यह आत्महत्या का मामला था, तो फंदे में इस्तेमाल हुई बेल्ट को सुरक्षित क्यों नहीं रखा गया। इसी सवाल ने पूरे मामले की जांच को नया मोड़ दे दिया है। फिलहाल सीबीआई सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

### कोलार और टीन शेड स्थित शराब की दुकान पर हुई कार्रवाई

## नियमों को धता बताकर शराब की बिकवाली बढ़ाने फ्री दिए जा रहे ग्लास और पाउच

सच संवाददाता ॥ भोपाल

आबकारी नियमों के अनुसार लाइसेंसी दुकानों से केवल और केवल वह शराब ही बेची जा सकती है जिसकी अनुमति मिली हुई है। कोलार और टीन शेड की दुकानों में इस नियम का खुलेआम मजाक उड़ाया जा रहा है। बीती रात आबकारी विभाग की टीम ने सूचना मिलने के बाद कोलार इलाके की शराब की दुकान पर छापेमारी की। यहां से बड़ी मात्रा में पानी के पाउच औ ग्लास जब्त किए गए हैं। टीन शेड स्थित एक दुकान पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

मिली जानकारी के अनुसार कोलार की दुकान में आबकारी नियमों के धज्जियां उड़ाई जा रही है। आबकारी विभाग के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि कोलार में मसाला शराब की दुकान पर शराब की बिक्री को बढ़ाने व दूसरे ठेकेदारों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से फ्री का लालच दिया जा रहा है। यहां पर आने वाले ग्राहकों को मसाला शराब के पाव के साथ पानी के ग्लास और पानी के पाउच फ्री में दिए जा रहे हैं।

जानकारी यह भी थी ग्राहकों की मांग पर उन्हें चखना भी दिख जाता है। इस तरह की सूचनाएं कई दिनों से आने के बाद आबकारी विभाग की टीम ने बीती रात कोलार की शराब की दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान यहां पर दुकान के स्टोर रूम में पानी के पाउच से भरी हुई बोरी मिली जबकि प्लास्टिक के ग्लास का पैकेट काउंटर पर ही छिपाकर रखा गया था। आबकारी अधिकारियों का मानना है कि इतनी अधिक मात्रा में ग्लास और पाउच दुकान के ठेकेदार की अनुमति के बगैर नहीं रखे जा सकते हैं। टीम ने ग्लास और पानी के पाउच की बोरी को जब्त कर लिया है।

साथ ही दुकान के ठेकेदार और कर्मचारियों को चेतावनी दी गई है अगर आगे से इस तरह से शराब के साथ फ्री सामग्री बेचने की शिकायत दोबारा मिली तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोलार की तरह ही टीन शेड की दुकान भी इसी तरह की कार्रवाई हो चुकी है। यहां पर शराब की बिक्री को बढ़ाने के लिए फ्री सामान देने वाली स्कीम चलाई जा रही थी।

### रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस के निरस्त किए गए फेरे बहाल

**भोपाल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में बिलासपुर जंक्शन-चांपा जंक्शन रेलखंड पर चल रहे अधोसंरचनात्मक कार्यों के कारण पूर्व में प्रस्तावित प्री-नॉन इंटरलॉकिंग, नॉन इंटरलॉकिंग एवं पोस्ट नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों को अब निरस्त कर दिया गया है। इस बदलाव के चलते पहले जिन ट्रेनों के फेरे अस्थायी रूप से रद्द किए गए थे, उन्हें अब बहाल कर दिया गया है। इस निर्णय के तहत भोपाल मंडल से प्रारंभ/समाप्त होने वाली संतरागाछी-रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस अब अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सामान्य रूप से संचालित होगी।**

## पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

**भोपाल।** रोजाना की तरह ही चार युवक तलैया इलाके में साथ में बैठे हुए थे। इसी दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर एक युवक पर चाकू से जानेलवा हमला कर दिया गया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तलैया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय असद अली एक स्वयंसेवी संस्था में काम करता हैं तथा तलैया इलाके में रहता है। मोहल्ले में रहने वाले दोस्तों के साथ रोजाना रात में बैठक लगाता हैं। बीती रात असद अली अपने दोस्त अयुबदाद व उसके साथी मुद्दसर उर्फ मम्मा और नासिर के साथ बैठा हुआ था। बाचतीत करने के दौरान ही पैसों के लेनदेन को लेकर उनके बीच विवाद हो गयाा। विवाद बढ़ा तो मुद्दसर व नासिर ने अयुबदाद पर चाकू से हमला कर दिया। हमला करने के बाद दोनों मौके से भाग निकले। घायल युवक को उसके दोस्त असद ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया तथा आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। चाकूबाजी की दूसरी घटना गांधी नगर इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि गौंडीपुरा में रहने वाला जुबेर बेग गोंडीपुरा में रहता है तथा मेहनत मजदूरी करता है। पास में ही उसका ससुराल है। बीती रात वह अपनी पत्नी को लेकर ससुराल जा रहा था। रास्ते में उसे नाबालिग और उसका साथी मिल गया। दोनों नशे की हालत में थे। जुबेर की बाइक रुकते ही उन्होंने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जुबेर ने उन्हें मना किया तो नाबालिग ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

## मेहनत-मशक्कत कर 2 जून की रोटी जुटा रहे कारीगर, पसीने में छिपी रोजी-रोटी की कहानी

सच संवाददाता ॥ भोपाल

आज 2 जून है और शहर की तेज रफ्तार जिंदगी के बीच ऐसे हजारों कारीगर हैं जो दिन-रात मेहनत कर अपने परिवार के लिए दो जून की रोटी जुटाने में लगे हैं। ये वे लोग हैं जिनकी जिंदगी ईंट, पत्थर, लोहे, कपड़े और औजारों के बीच बीतती है, लेकिन अक्सर उनकी मेहनत सुर्खियों से दूर रह जाती है।

सुबह से ही काम की तलाश में निकल पड़ने वाले ये कारीगर निर्माण स्थलों, छोटी दुकानों और वर्कशॉप्स में अपनी रोजी-रोटी के लिए श्रम करते हैं। बढ़ती महंगाई और अनियमित काम के बीच भी ये लोग अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में जुटे रहते हैं। कारीगरों का कहना है कि काम मिलने पर ही घर चलता है, और कई बार दिन भर की मेहनत के बावजूद पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल पाती। इसके बावजूद वे उम्मीद नहीं छोड़ते और हर नए दिन को एक नए अवसर की तरह देखते हैं। लोगों का मानना है कि इन मेहनतकश हाथों के बिना शहर की रफ्तार थम जाएगी, लेकिन इनके जीवन की चुनौतियां अक्सर अनदेखी रह जाती हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि कारीगरों के लिए रोजगार की स्थिरता, उचित मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और मजबूत किया जाए। इनकी जिंदगी भले ही साधारण दिखे, लेकिन इनकी मेहनत ही शहरों और समाज की असली नींव है।

### 10 जून से खुलेंगे स्कूल, कक्षाएं 16 जून से संचालित

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में गर्मी की छुट्टियों के बाद नए शैक्षणिक सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रदेश के अलग-अलग बोर्ड और स्कूलों में कक्षाओं की शुरुआत अलग-अलग तारीखों पर होगी, जबकि शिक्षकों के तबादलों की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

सीबीएसई बोर्ड के तहत आने वाले स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र 10 जून से शुरू हो रहा है, जबकि कक्षाएं 16 जून से नियमित रूप से संचालित होंगी। वहीं केंद्रीय विद्यालय संगठन (केंद्रीय विद्यालय संगठन) के स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 22 जून से शुरू होगी। प्रदेश के निजी स्कूल भी राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कक्षाएं संचालित करेंगे। सहोदय ग्रुप के अनुसार अधिकांश प्राइवेट स्कूल प्रशासनिक तैयारियों के लिए कक्षाएं शुरू करने से पहले लगभग छह दिन का समय लेंगे।

## पेसा मोबिलाइजरों की सेवा समाप्ति के खिलाफ धरना, बहाली और स्थायी नीति की मांग

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश में पंचायत पेसा मोबिलाइजरों की सेवा समाप्ति को लेकर विवाद तेज हो गया है। पंचायत पेसा मोबिलाइजर कर्मचारी संघ, जो भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध है, ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आदेश को निरस्त करने और सभी कर्मचारियों की बहाली की मांग की है। संघ ने आरोप लगाया है कि पंचायत राज संचालनालय के आदेश क्रमांक 8448 के तहत प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत पेसा मोबिलाइजरों को एकतरफा तरीके से सेवा से मुक्त किया गया है, जो उनके अनुसार प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

संघ के अनुसार पेसा मोबिलाइजर वर्षों से ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, पेसा अधिनियम के प्रचार-प्रसार, योजनाओं के क्रियान्वयन, सामाजिक विवादों के समाधान, शराबबंदी और जनजागरूकता जैसे कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

### ज्ञापन में मुख्यमंत्री से पांच प्रमुख मांगें रखी

सेवा समाप्ति आदेश निरस्त कर बहाली, स्थायी नीति बनाकर समायोजन, मानदेय बढ़ोतरी, एरियर भुगतान, और सेवा समाप्ति से पहले निष्पक्ष सुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करना। संघ का कहना है कि इस निर्णय से हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा जनजातीय विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी गई है।

### अवैध उत्खनन कर्ताओं को खुलेआम संरक्षण

## स्वच्छता अभियान मिशन को पलीता लगा रहा खनिज विभाग

सच संवाददाता ॥ भोपाल

जिला खनिज विभाग शासन की पवित्र योजना स्वच्छता अभियान मिशन को पलीता लगा रहा है। सफाई के नाम पर वह पंचायत में मिट्टी और मुरम अवैध रूप से बेच रहे हैं। खनिज विभाग की शह पर और पंचायत की सहमति से सफाई हो या ना हो वहां से अवैध कारोबार जारी है। इन घटनाओं से वरिष्ठ अधिकारी भी अवगत हो चुके हैं और उन्होंने नाराजगी व्यक्त भी की है।

संपूर्ण जिले में खनिज माफिया प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अवैध उत्खनन कर रहे हैं, शासन की पवित्र योजना स्वच्छता मिशन में रास्ते में जो जंगल झाड़ी और अविरुद्ध रास्ते को साफ करने के लिए पंचायत को निर्देशित किया गया है कि वह सफाई करें।

शासन के इस आदेश का पालन पंचायत और खनिज विभाग कुछ इस तरह कर रहे हैं कि वह रास्ते में जहां अच्छी मिट्टी है उसकी गहरी गड्ढे में तब्दील कर रहे हैं और जहां पर मुरम है जिसकी रॉयल्टी देना आवश्यक है उसको भरकर बेचा जा रहा है। पूरे जिले से हर जगह इसी प्रकार की आवाज सुनाई पड़ती है, जिसमें खनिज विभाग पंचायत और ठेकेदारों के बीच बहुत बड़ी साझेदारी है और सब मिलकर अवैध उत्खनन कर रहे हैं। इसके अलावा शासकीय भूमि चाहे वह पट्टे वाली शासकीय जमीन हो या फिर वन विभाग, मरघट, शमशान और शासकीय परिधि में आने वाली जमीन हो वहां से उत्खनन किया जा रहा है जिसकी निरंतर शिकायतकमिश्नर, कलेक्टर, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, को मिल रही हैं और वरिष्ठ अधिकारियों ने इस संबंध में खनिज विभाग के अमले पर नाराजगी व्यक्त की है। मगर होता यह है कि इसी लोगों की शिकायत होती है तो जांच अधिकारी भी यही लोग होते हैं, और स्वयं अपने पक्ष में पंचनामा बनाकर वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह कर देते हैं। इसके अलावा एक बात और है कि खनिज विभाग के लोग पंचायत को ब्लैकमेल करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का फरमान सुनाते हैं।

## ग्रेविटी पाइपलाइन में मरम्मत कार्य से 36 घंटे का वॉटर शटडाउन

सच संवाददाता. भोपाल

राजधानी भोपाल में जल संकट की स्थिति बनने वाली है, क्योंकि नगर निगम ने कोलार जलप्रदाय परियोजना की मुख्य ग्रेविटी पाइपलाइन में मरम्मत कार्य के चलते 36 घंटे का वॉटर शटडाउन घोषित किया है। यह शटडाउन आज सुबह 10 बजे से बुधवार सुबह 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। भोपाल नगर निगम के अनुसार यह मरम्मत कार्य जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और स्थायी बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस दौरान पाइपलाइन पूरी तरह बंद रहेगी और मरम्मत कार्य देर रात तक जारी रहने की संभावना है।

शटडाउन के कारण शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। इनमें शाहजहांनाबाद, शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, शिवाजी नगर, चार इमली, तुलसी नगर, नेहरू नगर, कोलार क्षेत्र, एमपी नगर, कोटरा सुल्तानाबाद, त्रिलंगा सहित कई इलाके शामिल हैं। इसके अलावा जोन-3, 5, 6, 7 और 8 के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियों में भी जलापूर्ति बाधित रहेगी।

नगर निगम के सिटी इंजीनियर उदित गर्ग ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत लंबे समय से आवश्यक थी और यदि समय पर कार्य नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ी जलापूर्ति समस्या उत्पन्न हो सकती थी। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद पाइपलाइन में पानी भरने और दबाव सामान्य होने में समय लगेगा, जिसके कारण कुल मिलाकर लगभग 36 घंटे तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से पानी का भंडारण कर लें और उसका सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

## नौतपा में राहतः 45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, मानसून में देरी की संभावना

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश में इस बार नौतपा तपिश की बजाय आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के लिए चर्चा में है। लगातार सक्रिय प्री-मानसून सिस्टम के कारण प्रदेश के मौसम में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और कई जिलों में तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री तक नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार नौतपा के अंतिम दिन मंगलवार को भी प्रदेश के 45 जिलों में तेज आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि का असर बना रहेगा। धार और बड़वानी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जबकि आगर-मालवा और राजगढ़ में ओले गिरने की संभावना जताई गई है। कई इलाकों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। लगातार बारिश और बादलों के कारण दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। खंडवा में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि पचमढ़ी में रात का तापमान 20 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर सहित प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं और पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश का सिलसिला जारी है। हालांकि मानसून की गति इस बार कुछ धीमी है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में इसकी दस्तक सामान्य से लगभग 5 से 7 दिन देरी से हो सकती है। सामान्यतः मानसून 15 जून के आसपास आता है, लेकिन अब इसके 20 से 22 जून के बीच पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इसी बीच राजधानी भोपाल में कोलार पाइपलाइन मरम्मत के कारण 36 घंटे के वॉटर शटडाउन की स्थिति भी बनी हुई है, जिससे शहर के कई हिस्सों में जलापूर्ति प्रभावित है।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506